प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ..सच

माही की गूंज

www.mahikihunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

जो बदलाव तुम दुनिया मे देखना चाहते हो, वह खुद में लेकर दिखाओ...
महात्मा गांधी

वर्ष-06, अंक-49 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरुवार 29 अगस्त 2024 | पृष्ठ-8, मूल्य-5 रुपए

ये चमक... ये धमक... सब कुछ उधारी से है... उधार लो और घी पीओ

माही की गूंज, संजय भटेवरा।

झाबुआ। कर्ज के बोझ से दबी मध्य प्रदेश सरकार एक माह में दूसरी बार कर्ज ले रही है। इसके लिए वित्तीय संस्थानों से ऑफर बुलाए हैं खुले बाजार से 5 हजार करोड़ का कर्ज दो किस्तों में 2500-2500 करोड रुपए 14 और 21 साल के लिए लिया गया है। सरकार ने इससे पहले 6 अगस्त को भी 5 हजार करोड रुपए का ऋण लिया था। सरकार ने 2023-24 में भी 44 हजार करोड रुपए का कर्ज लिया था। कुल मिलाकर कर्ज का बोझ मध्य प्रदेश सरकार पर लगातार बढ़ता ही जा रहा है और एक वर्ष के बजट से अधिक का कर्ज मध्य प्रदेश पर हो चुका है। लेकिन बावजूद इसके सरकार की ओर से मितव्ययीता संबंधी कोई कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। हमारे पूर्वज कहते आए हैं कि, कर्ज और मर्ज को कभी छोटा नहीं समझना चाहिए।

कर्ज यानी ऋण और मर्ज यानी बीमारी दोनों को ही छोटा समझने की भूल नहीं करना चाहिए। बीमारी छोटी होने पर ही तत्काल इलाज किया जाना चाहिए, इसी प्रकार ही छोटा कर्ज भी घातक साबित हो सकता है इसीलिए कर्ज लेने से बचना चाहिए लेकिन पिछले कुछ वर्षों में कर्ज लेना फैशन सा बन गया है। बाजार में कई प्रकार की लोन सुविधा के बीच एक नई कर्ज योजना भी आई है जिसमें महंगे अस्पतालों में बीमारी के इलाज के लिए भी लोन सुविधा उपलब्ध कराए जाने लगी है। एजुकेशन, कार, होम लोन के बाद अब इलाज के लिए भी लोन...।

सरकार द्वारा जनवरी 2023 से अब तक लिया कर्ज

सरकार ने जनवरी 2023 में 2000 करोड़, 2 फरवरी 2023 को 3000 करोड़, 9 फरवरी 23 को 3000 करोड़, 16 फरवरी 3000 करोड़, 23 फरवरी 3000 करोड़, 2 मार्च 3000 करोड़, 9 मार्च 2000 करोड़, 17 मार्च 4000 करोड़, 24 मार्च 1000 करोड़, 29 मई 2000 करोड़, 14 जून 4000 करोड़, 12 सितंबर 1000 करोड़, 27 दिसंबर 2000 करोड़, 23 जनवरी 2024 2500 करोड़, 7 फरवरी 3000 करोड़, 22 मार्च 5000 करोड़ और 7 अगस्त 5000 करोड रुपए का ऋण लिया है। मोहन यादव सरकार बनने तक 3.5 लाख करोड रुपए कर्ज था जो सरकार बनने के बाद लगातार बढ़ता जा रहा है। जनवरी 24 से 31 मार्च 24 तक सिर्फ तीन महीने में ही सरकार ने लगभग 41 प्रतिशत यानी 17500 करोड़ रुपये कर्ज लिया है।

इन पर सबसे ज्यादा खर्च

सरकार बनाने में सबसे बड़ी भूमिका निभाने वाली लाडली बहना योजना सरकार के लिए अब सबसे महंगी साबित हो रही है। करीब 1 करोड़ 30 लाख महिलाओं को प्रतिमाह 1250 रुपए की राशि दी जाने वाली इस योजना पर सरकार हर साल करीब 16 हजार करोड रुपए खर्च कर रही है। वहीं अन्य मुफ्त रेवड़ी योजना में 100 रुपये 100 यूनिट तक में 5500 करोड रुपए, कृषि यंत्रों पर सब्सिडी योजना पर प्रतिवर्ष 17 हजार करोड़ और 450 रुपए में गैस सिलेंडर देने में लगभग 1 हजार करोड रुपए सालाना खर्च होते हैं। नतीजन कर्ज का भार दिनो दिन आम जनता पर ही बढ़ रहा है। अनुमान के मुताबिक 2025 तक मध्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक पर लगभग 50 हजार रुपये का कर्ज हो जाएगा।

मितव्ययीता आवश्यक

राजनीतिक दलों द्वारा लोकलुभावनी घोषणा करना आम बात है और वादे कराना आसान है पर उन्हें निभाना मुश्किल है। मुख्य दोनों ही दल सरकार बनाने के लिए बड़े-बड़े दावे व वादे करते रहे हैं। गत वर्ष विधानसभा चुनाव में भी बड़े-बड़े वादे किए गए थे। सरकार बनाने के बाद भाजपा के लिए इन वादों को पूरा करना टेढ़ी खीर साबित हो रहा है। नतीजा यह है कि, सरकार कर्ज पर कर्ज लिए ही जा रही है और इनके कर्ज के बोझ तले दबने के बावजूद सरकार की ओर से फिजूल खर्ची रोकने या मितव्ययीता संबंधी कोई कार्य नजर नहीं आ रहा है। सरकार के मंत्री वाहनों और बंगलो पर जनता के टैक्स रूपी गाड़ी कमाई दिल खोलकर खर्च कर रहे हैं। अब समय की मांग है कि, सरकार अपने खर्चों पर भी नियंत्रित करें और देश के प्रधानमंत्री जो अपने आप को प्रधान सेवक कहते हैं उन्हीं की पार्टी के विधायक और सांसद के साथ ही अन्य जनप्रतिनिधि जनता के टैक्स को मितव्ययिता के साथ खर्च करें। क्योंकि कर्ज लेकर घी पीना तो आसान है लेकिन असली मजा तो खुद कमाकर खर्च करने में है।

चोरों ने दिखाया हम किसी से कम नहीं
सुप्रीम कोर्ट के जज के घर में लगा दी सेंध

पटना, एजेंसी।

बिहार में चोरों के हौंसले इतने बुलंद है कि उन्होने दिखा दिया की वह किसी से कम नही है। तथा पॉश इलाके में भी सेंध लगाने से बाज नहीं आ रहे हैं। हाल ही में चोरों ने सुप्रीम कोर्ट के जज अहसानुद्दीन अमानुल्लाह के सूने पड़े आवास में चोरी कर ली। पाटलिपुत्र कॉलोनी स्थित जज साहब का घर खाली था, तभी चोरों ने हाथ साफकर दिया।

बताया जा रहा है कि, सुप्रीम कोर्ट के जज अहसानुद्दीन अमानुल्लाह का घर बंद था। घर की देखरेख मोहम्मद मुस्तकीम करते हैं। जब चोरी हुई तो घर में कोई मौजूद नहीं था। चोरों ने रात में जज साहब के घर हाथ साफकिया है। फिलहाल, चोरों ने घर से क्या-क्या सामान चुराया है, इसकी पूरी डिटेल सामने नहीं आ पाई है। दरअसल, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह दिल्ली में रहते हैं। उनके बड़े भाई बिहार के पूर्व गृह सचिव अफजल अमानुल्लाह हैं। अफजल अमानुल्लाह भी दिल्ली में रहते हैं। अमानुल्लाह की पत्नी परवीन अमानुल्लाह बिहार सरकार की पूर्व मंत्री थीं, जिनका इंतकाल हो चुका है।

राष्ट्रपति ने जताई कोलकाता घटना पर नाराजगी

नई दिल्ली, एजेंसी।

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में डॉक्टर के दुष्कर्म के बाद हत्या की घटना पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गहरी चिंता और नाराजगी जाहिर की है। राष्ट्रपति ने इस घटना को लेकर अपना बयान जारी करते हुए कहा, वह घटना से निराश और भयभीत हैं। अब समय आ गया है कि, भारत महिलाओं के खिलाफ अपराधों की विकृति के प्रति जाग जाए और उस मानसिकता का मुकाबला करे जो महिलाओं को कम शक्तिशाली, कम सक्षम, और कम बुद्धिमान मानती है। राष्ट्रपति मुर्मू ने पीटीआई को लिखे अपने लेख में कहा कि, इतिहास का सामना करने से डरने वाले समाज सामूहिक भूलने की

बीमारी का शिकार हो जाते हैं। उन्होंने कहा, हमें इस विकृति से व्यापक तरीके से निपटना चाहिए ताकि इसे शुरुआत में ही रोका जा सके। सभ्य समाज में इस तरह के अत्याचार की इजाजत नहीं दी जा सकती और देश को इसके खिलाफ गुस्सा जाहिर करना चाहिए। राष्ट्रपति ने अपने लेख में उल्लेख किया कि, जब कोलकाता में छात्र, डॉक्टर और नागरिक विरोध प्रदर्शन कर रहे थे, अपराधी खुलेआम घूम रहे थे। उन्होंने निर्भया कांड का हवाला देते हुए सवाल उठाया कि, पिछले 12 वर्षों में क्या बदलाव आया है। राष्ट्रपति ने पूछा, क्या हमने अपने से सबक सीखे? जैसे-जैसे सामाजिक विरोध कम होते गए, ये घटनाएँ सामाजिक स्मृति के गहरे कोनों में दब गईं। कोलकाता की घटना पर पश्चिम बंगाल और देशभर में व्यापक विरोध प्रदर्शन जारी हैं। मंगलवार को पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच तीखी झड़पें हुईं और आज बंगाल बंद का आयोजन किया गया है। राष्ट्रपति मुर्मू के बयान ने इस मुद्दे पर एक नई दृष्टि प्रदान की है, जो महिला सुरक्षा के सवाल पर गंभीर विचार करने की आवश्यकता को रेखांकित करता है।

ग्वालियर में एक दिवसीय रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का हुआ आयोजन

ग्वालियर।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव व केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्वालियर में 'रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव' का दीप प्रज्ज्वलन कर उद्घाटन किया। यह एक दिवसीय कॉन्क्लेव राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया, जिसमें देश-विदेश के प्रमुख उद्योगपति, निवेशक और प्रतिनिधि शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस अवसर पर राजमाता विजयाराजे सिंधिया की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित

की। इस कॉन्क्लेव में 50 से अधिक औद्योगिक संगठनों ने अपनी प्रदर्शनी लगाई, जिसमें निजी उद्योगों के साथ-साथ सीआईआई, लघु उद्योग भारती और डीआईसीसीआई ने अपने उत्पाद और सेवाएं प्रदर्शित कीं। कॉन्क्लेव का उद्देश्य राज्य में निवेश को प्रोत्साहित करना, औद्योगिक विकास को तेज करना और मध्य प्रदेश को एक प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करना है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री यादव ने कई औद्योगिक इकाइयों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया तथा निवेशकों को आवंटन आदेश वितरित किए। यह आयोजन प्रदेश के लघु उद्योगों को सशक्त बनाने, एमएसएमई (माइक्रो, स्मॉल, एंड मीडियम एंटरप्राइजेज) को प्रोत्साहित करने और निवेशकों को आकर्षित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकता है।

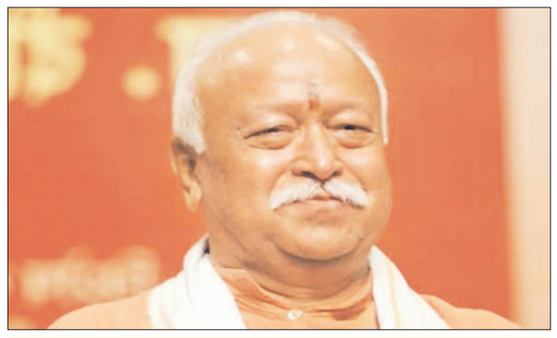

पीएम मोदी और शाह की तर्ज पर संघ प्रमुख भागवत को मिली जेड प्लस सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री अमित शाह की तरह राष्ट्रीय स्वमसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत को जेड प्लस एडवांस सुरक्षा(एएसएल) दी गई है। अब एएसएल के तहत सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति की सुरक्षा से संबंधित जिला प्रशासन, पुलिस, स्वास्थ्य और अन्य विभागों जैसी स्थानीय एजेंसियों की भागीदारी अनिवार्य है। सूत्रों ने बताया कि, इसमें बहुस्तरीय सुरक्षा घेरे शामिल है। हेलीकॉप्टर यात्रा की अनुमति केवल विशेष रूप से डिजाइन किए गए हेलीकॉप्टरों में दी जाएगी। इसको लेकर हाल ही में गृह मंत्रालय के द्वारा समीक्षा की गई थी, जिसमें पाया गया कि गैर भाजपा दलों के द्वारा शासित राज्यों में ढिलाई बरती गई है। इसके बाद यह फैसला लिया गया है। गृह मंत्रालय के हवाले से अपनी एक रिपोर्ट में इसकी बात कही है। इससे पहले भागवत की जेड-प्लस सुरक्षा में सीआईएसएफ से प्रतिनियुक्ति पर अधिकारी और गार्ड शामिल थे। सूत्रों ने कहा कि, आरएसएस प्रमुख को कट्टरपंथी इस्लामी संगठनों सहित कई संगठनों के निशाने पर माना जाता है। उनकी लगातार बढ़ती हुई धमकी और विभिन्न एजेंसियों से मिली जानकारी के बाद गृह मंत्रालय ने मोहन भागवत को एएसएल सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति के रूप में घोषित किया है। सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को आधिकारिक तौर पर अपग्रेड के बारे में सूचित कर दिया गया है।

बंगाल बंद पर हिंसा में दो घायल

कोलकाता, एजेंसी।

पश्चिम बंगाल में भाजपा द्वारा आह्वान किए गए 12 घंटे के बंद के दौरान हिंसा भड़क गई। भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच झड़प में उत्तर 24 परगना के भाटापारा में गोलीबारी हुई, जिसमें दो भाजपा समर्थक घायल हो गए। पुलिस ने कई

लोगों को हिरासत में लिया और सुरक्षा के लिए अतिरिक्त प्रबंध किए गए हैं।

बंद का असर मिश्रित

कुछ स्थानों पर दुकानों के शटर गिरे रहे, जबकि अन्य जगह व्यवसायिक गतिविधियाँ जारी रहीं। उत्तर दिनाजपुर में आगजनी की घटना और मुर्शिदाबाद में भाजपा समर्थकों की पिटाई की खबरें भी आई हैं। कूचबिहार में भाजपा के दो विधायकों को हिरासत में लिया गया। हावड़ा ब्रिज पर बंद का असर सीमित था। भाजपा और टीएमसी के बीच तनाव जारी है, भाजपा ने टीएमसी की सरकार पर आलोचना की है, जबकि टीएमसी ने बंद का विरोध किया है।

मंकीपॉक्स की जांच के लिए आरटी-पीसीआर किट तैयार

नई दिल्ली, एजेंसी।

मंकीपॉक्स वायरस के बढ़ते खतरे को देखते हुए, भारत ने एक स्वदेशी आरटी-पीसीआर परीक्षण किट विकसित की है। डब्ल्यूएचओ ने मंकीपॉक्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित किया है और नए स्ट्रेन (क्लैड-1) की संक्रामकता और मृत्यु दर को लेकर चिंता जताई है।

सीमेंस हेल्थिनियर्स द्वारा निर्मित आईएमडीएक्स मंकीपॉक्स डिटेक्शन आरटी-पीसीआर किट को केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) से अनुमोदन प्राप्त हुआ है। यह किट वडोदरा में बनाई जाएगी, जहां इसकी सालाना उत्पादन क्षमता एक मिलियन प्रतिक्रियाओं की है।

यह किट वायरस के क्लैड-1 और क्लैड-2 दोनों प्रकारों की पहचान कर सकती है, जिससे वायरस के विभिन्न उपभेदों की सटीक पहचान सुनिश्चित होती है। सीमेंस हेल्थकेयर के प्रबंध निदेशक हरिहरन सुब्रमण्यन ने कहा कि, ये किट मंकीपॉक्स के त्वरित और सटीक निदान में मददगार साबित होंगी, जिससे देखभाल में सुधार और जीवन रक्षा संभव हो सकेगी।

अन्य आरोप के साथ केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली की आबकारी नीति से जुड़े कथित घोटाले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत को 3 सितंबर तक बढ़ा दिया गया है। राउज एवेन्यू कोर्ट में हुई सुनवाई के दौरान, केजरीवाल को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जेल से पेश किया गया।

सीबीआई ने आरोप लगाया है कि, केजरीवाल के मीडिया मैनेजर ने

साउथ ग्रुप से धन इकट्ठा कर गोवा विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी (आप) के फंड में लगाया। सीबीआई के वकील ने कहा कि, केजरीवाल ने गोवा में पार्टी के उम्मीदवारों को वित्तीय सहायता देने का आश्वासन दिया और हर उम्मीदवार को 90 लाख रुपये देने का वादा किया।

वकील ने यह भी बताया कि, सह-आरोपी विनोद चौहान ने के. कविता के पीए के साथ समन्वय किया और दुर्गेश पाठक, जो गोवा चुनाव के प्रभारी थे, के निर्देश पर चुनाव के लिए पैसा खर्च किया गया।

सुनवाई के दौरान, केजरीवाल ने कोर्ट से लंच करने की अनुमति मांगी, जिसका कारण उन्होंने अपने ब्लड शुगर के कम होने को बताया। अदालत ने उनकी इस अपील को स्वीकार करते हुए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग से लंच के दौरान छुट्टी दे दी। मामले की अगली सुनवाई 3 सितंबर को होगी।

कृष्ण भगवान की 101 दीपक से उतारी आरती

माही की गूंज, सारंगी।

सोमवार को श्री कृष्ण जन्मोत्सव बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। ग्राम के सभी मंदिरों में विद्युत सज्जा के साथ कृष्ण भगवान का विशेष श्रृंगार किया गया। सभी मंदिरों में रात 12 बजे तक भजन कीर्तन चलते रहे। सदर बाजार राधा कृष्ण मंदिर , सरकारी मंदिर, गायत्री माता मंदिर, पर श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया।

विशेष आयोजन इमली चौक सारंगी में कान्हा जी का आकर्षक श्रृंगार किया गया छोटे बच्चे कृष्ण रूप में बनकर आए जो आकर्षण का केंद्र रहे। यहां पर आयोजकों ने मटकी फोड़, चेयर रेस, गरबा रास आदि कई कार्यक्रम आयोजित किए जिसमे महिला, पुरुष, बच्चों ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। रात की ठीक 12 बजे श्री कृष्ण के जन्म लेने के बाद आलकी के पालकी ,जय कन्हैयालाल की के नारो से मंदिर पंडाल गूंज उठा। इमली चौक में विराजित श्री कृष्ण भगवान की 101 दीपक से महा आरती उतारी गई महाआरती के बाद माखन, मिश्री के साथ कृष्ण भगवान को लगाए गए भोग, प्रसाद के रूप में वितरण किया गया। इस पूरे कार्यक्रम में ग्राम के सभी समाज वर्ग ने भाग लेकर महाआरती एवं प्रसादी का लाभ लिया।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग अंतर्गत उत्कृष्ट कृषक होगें पुरस्कृत

माही की गूंज, झाबुआ।

किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग अंतर्गत सब मिशन ऑन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन (आत्मा) योजना के तहत मूल्यांकन वर्ष 2023-24 की गतिविधियों के आधार पर कृषक पुरूस्कार एवं कृषक समूह पुरूस्कार हेतु कृषकों द्वारा अपनाई गई कृषि तकनीकी उपज एवं उत्पादकता के आधार पर इच्छुक कृषक या कृषक समूह आवेदन कर सकते हैं। पुरस्कार हेतु जिले से विभिन्न पाँच उद्यमो यथा-कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, कृषि अभियांत्रिकी गतिविधियों में एक-एक कृषक को मूल्यांकन समिति के मूल्यांकन तथा अनुशंसा पर जिला स्तरीय श्रेणी अंतर्गत पुरस्कृत किया जाना प्रावधानित है। इसी प्रकार प्रत्येक विकासखण्ड से पांच विभिन्न उद्यमो यथा- कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, कृषि अभियांत्रिकी गतिविधियों के एक-एक कृषक को मूल्यांकन समिति के मूल्यांकन तथा अनुशंसा पर पुरूस्कार दिया जाना प्रावधानित है। कृषिगत गतिविधियों के एक- एक कृषक समूह को भी मूल्यांकन समिति की अनुशंसा पर पुरूस्कार प्रदान किया जावेगा। विभिन्न श्रेणीयों में प्रावधान अनुसार पुरूस्कार के लिये कृषक बंधु और कृषक समूह के प्रतिनीधि निर्धारित आवेदन पत्र में आवेदन कर सकते है। पुरूस्कार हेतु आवेदन पत्र का प्रारूप विकासखण्ड स्तरीय कृषि तथा संबधित विभागों के कार्यालयो से प्राप्त कर सकते है। आवेदन पत्र भरने में किसी भी प्रकार की कठिनाई होने पर कृषि और इससे संबधित विभागो यथा- उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य, कृषि अभियांत्रिकी के मैदानी अमले से परामर्ष और मार्गदर्शन प्राप्त किया जा सकता है। पुरस्कार हेतु आवेदन भरकर 31 अगस्त 2024 के पूर्व विकासखण्ड स्तरीय कार्यालय में जमा कर सकते हैं। इसके साथ ही उद्यानिकी कृषक उद्यान विभाग से पशुपालक कृषक पशुपालन विभाग से,मछली पालक कृषक मछली पालन विभाग से एवं कृषि अभियांत्रिकी कृषक कृषि अभियांत्रिकी विभाग से आवेदन पत्र प्राप्त कर भरे हुए आवेदन संबंधित विभाग से सत्यापन पश्चात जमा कर सकते हैं।

जिले की राजनीति के एक युग का हुआ अंत

माही की गूंज ,पेटलावद

वरिष्ठ भाजपा नेता व नगर परिषद पेटलावद के पूर्व उपाध्यक्ष आजाद जी गुगलिया का रात्रि में दुखद निधन हो गया। जैसे ही बुधवार सुबह यह दुखद खबर नगरवासियो सहित जिलेभर में फैली वैसे ही पूरे जिले में शोक का माहौल छा गया। आजाद गुगलिया वरिष्ठ भाजपा नेता थे, उनका निधन जिले की राजनीति के एक युग का अंत है। गुगलिया ने पेटलावद सहित झाबुआ जिले की राजनीति को नयी दिशा दिखाई थी। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में हमेशा राष्ट्रहित और जनकल्याण को सर्वोपरि रखा। अपने जीवन में उन्होंने कभी भी आदर्शों से समझौता नहीं किया।

कई सामाजिक संगठनों ने दी श्रद्धांजलि

उनके निधन के बाद पूरे पेटलावद में सुबह से शोक का वातावरण रहा। सोशल मिडिया पर भी कई सामाजिक संगठनों, राजनेतिक पार्टियों के पदाधिकारियो, जनप्रतिनिधियों आदि ने श्रद्धांजलि अर्पित की। उनकी अंतिम यात्रा दोपहर साढ़े 12 बजे बाद उनके निवास स्थान अंबिका चौक से निकाली गई। जिसमें सैकड़ों नगरवासियों सहित नेता, अधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए और श्रद्धासुमन अर्पित किए।

दयानंद विद्या निकेतन में मना जन्माष्टमी महोत्सव

माही की गूंज, भामल

खवासा के समीप स्थित भामल में एमडीएच दयानंद विद्या निकेतन के प्रांगण में बड़े धूमधाम से जन्माष्टमी महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्ष श्रीमती सुषमा शर्मा, आचार्य दयासागर, मनदीप शर्मा, पुष्पेंद्र राठौर और समस्त अध्यापक स्टाफ की उपस्थिति में बच्चों ने कृष्ण जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में कृष्ण जी के जीवन पर आधारित नाटक और नृत्य कर मनमोहक प्रस्तुतियां दीं।

बच्चों ने उत्साहपूर्वक मटकी फोड़ कार्यक्रम में भी भाग लिया, जहां उन्होंने ऊपरी और निचली मटकियों को फोड़कर महोत्सव मनाया। कक्षा नर्सरी से तीसरी तक के बच्चे भगवान श्रीकृष्ण, बलराम और राधा के रूप में सजकर विद्यालय में पहुंचे, जिससे कार्यक्रम का माहौल और भी रंगीन हो गया। कार्यक्रम के समापन पर संस्था अध्यक्ष ने सभी बच्चों को पढ़ाई के साथ-साथ अन्य गतिविधियों में भी भाग लेकर अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने की प्रेरणा दी। साथ ही, विद्यालय की निरंतर प्रगति के लिए समस्त स्टाफ को आशीर्वाद दिया। संस्था के उपप्रधान विनय आर्य और महामंत्री जोगिंदर खट्टर ने भी बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना की और जन्माष्टमी पर्व की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने बच्चों के प्रदर्शन की प्रशंसा करते हुए उन्हें भविष्य में भी इसी तरह के कार्यक्रमों में भाग लेकर अपनी प्रतिभा को निखारने के लिए प्रेरित किया।

संस्था के प्राचार्य संजय कुमार पाढी ने अतिथियों का स्वागत भाषण दिया और संस्था की गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन राकेश खैर द्वारा किया गया।

जलकर बकाया राशि में 50 प्रतिशत छूट योजना का लाभ मिलेगा जलकरदाताओं को

निगम को योजना से अब तक 32 करोड़ 18 लाख रुपये से अधिक की राशि प्राप्त

इंदौर। राजस्व प्रभारी श्री निरंजनसिंह चौहान गुड्डु व जलकार्य प्रभारी श्री अभिषेक शर्मा बबलु ने बताया कि महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव एवं आयुक्त श्री शिवम वर्मा द्वारा शासन के निर्देशानुसार जलकर की बकाया राशि पर 50 प्रतिशत छूट की घोषणा के बाद निगम को अब तक 30282 करदाताओ के माध्यम से लगभग 32 करोड 18 लाख से अधिक की राजस्व वसुली हुई है।

महापौर श्री भार्गव ने कहा कि निगम की वन टाईम सेटलमेंट योजना के तहत जलकर की बकाया राशि पर 50 प्रतिशत छूट के लिये निगम द्वारा 25 अगस्त 2024 तक शहर के 100 से अधिक स्थानो पर चलाये जा रहे अभियान को दिनांक 28 अगस्त से आगामी 10 दिवस 6 सितंबर तक बढाने का निर्णय लिया गया है, निगम द्वारा जलकर की वन टाईम सेटलमेंट योजना के तहत दिनांक 28 अगस्त से 06 सितम्बर 2024 तक उक्त योजना का लाभ जलकरदाताओ को मिलेगा। विदित हो कि जलकर की बकाया राशि पर 50 प्रतिशत छूट वन टाइम सेटलमेंट योजना के अंतर्गत छूट का लाभ 25 अगस्त तक दी गई थी, उक्त योजना को आगामी 28 अगस्त से 6 सितम्बर 2024 तक बढाते हुए, निगम अधिकारियो को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये गये। निगम ने यह भी स्पष्ट किया है कि यदि किसी उपभोक्ता का जल संयोजन अवैध पाया जाता है, तो उसका कनेक्शन स्थायी रूप से विच्छेद कर दिया जाएगा और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई जाएगी।

उपचुनाव-भाजपा संगठन झुका विधायक के सामने

सबको किनारे करके जीतू राठौर को बनाया पार्षद प्रत्याशी

इंदौर। वार्ड 83 में भाजपा संगठन ने सबको किनारे लगाते हुए श्रेष्ठि वर्ग की बसाहट के इलाके गुमाश्ता नगर यानी जैन और महेश्वरी के लिए जीतू राठौर को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। इस चयन कहानी में संगठन की नहीं चली है, विधायक मालिनी गौड़ ने अपनी चलाकर सबको हाशिए पर धकेला है, जिससे वार्ड और संगठन के अन्य सेवाभावी कार्यकर्ता नाराज हैं। ऐसे में कांग्रेस यहाँ जीत सकती है, अगर समाज का उम्मीदवार उतारे तो।

- वार्ड में कांग्रेस के हाल-बेहाल ही
- गुमाश्ता से जोड़ा गैर जात का नाता
- इस बार वंशवाद से बचा तो चेलागिरी में गया टिकट
- महापौर और सांसद की नहीं चली
- मालिनी गौड़ ने पानी वाले चेले को आगे कर दिया
- मित्र के लिए निकले कमजोर मित्र
- सांसद प्रतिनिधि कपिल जैन में नहीं था दम
- पक्के संगठनी अंकित चोपड़ा संग फिर चोट
- माहेश्वरी एवं जैन समाज को किया नाराज

स्कीम नंबर 71 और गुमास्ता नगर में शीघ्र ही पार्षद का उपचुनाव होने वाला है, जिसके लिए भाजपा ने %गुमाश्ता% से अब गैर जाति वाले जीतू को जोड़ दिया है। यानी किसी भी समाज के मतदाताओं का ध्यान नहीं रखा गया, जबकि करीब साढ़े 22 हज़ार मतदाता वाले इस लंबे वार्ड के लिए अन्य समाजगत एवं बेहतर दावेदार थे। उक्त भाजपाई वार्ड में 3 धुरंधर नेताओं में हुई जंग के बीच इलाके की विधायक मालिनी गौड़ ने अपनी ही चलाते हुए सांसद शंकर लालवानी और महापौर पुष्यमित्र भार्गव को पटखनी दे दी है। भाजपा के सांगठनिक ढांचे अनुसार दावा विधायक का मजबूत था, लेकिन गुटबाजी की वजह से महापौर एवं सांसद भी अपने उम्मीदवार के लिए डटे थे।

वंशवाद से बाहर लेकिन..

वार्ड 83 के मौजूदा पार्षद कमल लड्ढा के असामयिक निधन से इस उपचुनाव की नौबत आई हैं। लड्ढा परिवार ही बीते एक-डेढ़ दशक से यहां पार्षद का टिकट पा रहा है, जिसके लिए मालिनी गौड़ को धन्यवाद देना चाहिए। इस बार भी इसी परिवार के पुत्र अभिषेक का नाम टिकट की दौड़ में आगे था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फ्रैश ब्लड बयान के बाद इस पर वंशवाद का ठप्पा लग गया, क्योंकि पहले बड़ी मम्मी, फिर पिता और अब बेटे को टिकट। इस वजह से विधायक को पीछे हटना पड़ा, वरना तो निधन की सहानुभूति से जीत हो ही जाती। ज्ञात हो कि वार्ड में करीब आधे मतदाता माहेश्वरी समाज के हैं।

नाम पुराना पर...

घोषित प्रत्याशी जीतू पुराने कार्यकर्ता हैं और पानी का टैंकर भेजने के लिए नाम है। ये तब से काम पर है, जब यहां से लोकेंद्र सिंह राठौड़ पार्षद थे। श्री राठौर के साथ सबसे बड़ा पेंच यही है कि जैन, माहेश्वरी व ब्राह्मण बहुल इस वार्ड में इनका आगे क्या होगा ? अगर अन्य समाज से ही टिकट देना था तो संगठन और %भाभी% को नए नाम एवं कार्यकर्ता को अवसर देना था। चाहे वो अंकित चौपड़ा होते, कपिल जैन या कोई और, क्योंकि सांसद शंकर लालवानी ने इस बार यहां से जैन समाज के लिए टिकट मांगा था। इसकी वजह करीब 10 हजार मत समाज के होना हैं। इसी लिए कपिल जैन का नाम आगे बढ़ाया था, पर श्री लालवानी विधायक पर अपना असर नहीं बना पाए।

मित्र के लिए चाहत

इस बार महापौर पुष्यमित्र भार्गव इस वार्ड से अपने परम मित्र भारत पारख को लेकर गम्भीर थे और ये गम्भीरता बैठक में भी उज़ागर की, जिसमें विधायक व सांसद के साथ बैठे, क्योंकि सक्रिय और सजग श्री पारख वर्तमान में एकमेव महापौर प्रतिनिधि हैं और बगुल के वार्ड से पार्षद रह चुके हैं। इनको अवसर मिलने से विकास को और गति मिलना तय था।

हाउसिंग बोर्ड अब फिर से संपत्ति बेचने के लिए जारी करेगा टेंडर

लव कुश सहित विजयनगर क्षेत्र की अन्य संपत्ति बेचकर करेगा आर्थिक मंदी दूर

इंदौर। हाउसिंग बोर्ड भी अपनी कई संपत्तियों की नीलामी के लिए टेंडर जारी करने जा रहा है। इसको लेकर पिछले दिनों एक बैठक के दौरान सारी तैयारियों के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए गए थे और अब कहीं जाकर अपनी संपत्ति बेचकर आर्थिक मंदी दूर करने का प्रयास किया जा रहा है।

बताया जाता है कि पिछले दिनों हाउसिंग चोर्ड द्वारा जांच की गई और अपने अधीन मकानों की सूची के अनुसार लवकुश विहार क्षेत्र की पांच से छह संपत्ति के साथ-साथ विजय नगर क्षेत्र में ही तकरीबन 20 से अधिक संपत्ति को बेचने के लिहाज से टेंडर जारी किए जा रहे हैं। यह भी कहा जा रहा है कि इन संपतियों को यथास्थिति बेचा जाना ही उचित होगा इसलिए उसी अनुसार टेंडर होंगे। बोर्ड की इन संपतियों पर पहले ही करोड़ों रुपए अटके हुए हैं, जबकि अन्य इलाकों में भी संपतियों की एक सूची तैयार की जा रही है। अधिकारियों का कहना है कि हाउसिंग बोर्ड की शहर में कई इलाकों में संपत्ति है। इसमें हाउसिंग बोर्ड प्रोजेक्ट अधूरे, सरकार से नहीं मिल रही मदद से कुछ संपत्तिधारकों ने आवास का पूरा पैसा नहीं चुकाया है इसलिए राशि बकाया होने पर बोडे उन्हें अधिग्रहित कर चुकी है और अब उसी अनुसार कार्रवाई की जा रही है। कई ऐसे भी इलाके हैं जहां पर संपत्ति जर्जर अवस्था में है इसलिए उनके स्थान पर कुछ नई योजना भी शुरू की जा रही है। लक्कुश आवास विहार क्षेत्र में ही तीसरी व चौथी मंजिल पर फ्लैट है जो खराब अवस्था में है उन्हें कुछ भी किया गया है और जल्द ही उसे ठीक भी किया जा रहा है। कई बार इन समितियों को पहले भी बेचने के लिए टेंडर जारी किए थे लेकिन संपतिया नहीं बिकी थी इसलिए अब एक बार फिर से संपत्ति बेचने की के कई तैयारी की जा रही है। इसी महीने संपत्ति बेचने के लिए टेंडर भी जारी किए जा रहे हैं। गौरतलब है कि हाउसिंग बोर्ड के माध्यम से कई प्रमुख योजनाएं शुरू होना थी, लेकिन शुरू नहीं हो पाई है। भंडारी ओवरब्रिज के समीप भी बहुमंजिला इमारतों को लेकर भी काम जारी है, लेकिन बीते कुछ महीनों से काम बंद हो गया था फिर से शुरू हो रहा है। इसके अलावा नंदा नगर से लेकर जनता कार्टर एलआईजी एमआईजी सहित कई ऐसे क्षेत्र है जहां पर हाउसिंग बोर्ड फ्लैट धारकों के खिलाफ कार्रवाई करने जा रहा है जिन्होंने मूल राशि चुकाई है और ना ही किस्त क भुगतान किया जा रहा है। इसके अलावा आर्थिक मंदी के दौर से जूझ रहा मध्यप्रदेश हाउसिंग बोर्ड अब अपने स्तर पर संपतियों की नीलामी की तैयारी भी कर रहा है। इसके लिए सूची भी तैयार की जा रही है। अभी की स्थिति में सरकार के ओर से भी फंड रिलीज नहीं हो रहा है। इससे भी परेशान लगातार बढ़ती जा रही है। इसलिए अपनी पुरानी संपत्तियों के भी नीलाम करने की योजना बनाई जा रही है। विधानसभा चुनाव के बाद यह काम होने की संभावना है।

विज्ञप्ति

सर्वसाधारण की जानकारी हेतु सूचित किया जाता है कि, ग्राम पंचायत खवासा द्वारा बाजना मार्ग स्थित मोहन भोई के घर के पास चार दुकानों को दिनांक 30/08/2024 वार शुक्रवार को प्रातः 11 बजे से नीलाम की जावेगी। उक्त दुकानों की नीलामी के संबंध में नियम व शर्तें ग्राम पंचायत कार्यालय के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

सचिव ग्राम पंचायत खवासा जनपद पंचायत थांदला, जिला झाबुआ

सरपंच ग्राम पंचायत खवासा जनपद पंचायत थांदला,जिला झाबुआ

अवकाश में भी खुले विद्यालय जन्माष्टमी मनाई गई

माही की गूंज, झाबुआ।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यालयों में आमतौर पर अवकाश रहता है। वहीं कुछ विद्यालयो में एक दिन पूर्व ही जन्माष्टमी उत्सव मनाने की परंपरा रही है। लेकिन मोहन यादव सरकार के एक आदेश के बाद सभी सरकारी व निजी विद्यालय में भी जन्माष्टमी के अवसर पर विद्यालय खोले गए व जन्माष्टमी मनाई गई। इस अवसर पर कई जगह मटकी-फोड़ का आयोजन किया गया तो कई जगह भजन कीर्तन व नृत्य के साथ जन्माष्टमी मनाई गई। क्षेत्र की सभी सरकारी संस्थाओं के साथ ही निजी स्कूलों में जन्माष्टमी धूमधाम के साथ मनाई गई। हालांकि छुट्टी का माहौल व पानी बरसने के कारण छात्र-छात्राओं की उपस्थिति कम ही रही। लेकिन विद्यालयीन शिक्षकों ने विद्यालय में पहुंचकर सरकारी आदेश का पालन किया व जन्माष्टमी मैं श्री कृष्ण के जीवन से जुड़े आयोजन किए।

फास्ट फूड व नशे का बढ़ता चलन शारीरिक बीमारी और मानसिक विकृति पैदा कर रहा है-साध्वीश्री

माही की गूंज ,पेटलावद

भारतीय संस्कृति ऋषि प्रधान और कृषि प्रधान संस्कृति रही है। आहार-विहार और खानपान की शुद्धि के अभाव में चेतना विकृत बन रही है। वर्तमान युग में फास्ट फूड और नशे का बढ़ता चलन विभिन्न प्रकार की शारीरिक बीमारी और मानसिक विकृति पैदा कर रहा है। नशा, अपराधी मनोवृति की जड़ है। ज्ञानशाला वह नर्सरी है जहां बचपन रूपी पौधों को सिंचन प्रदान कर विकास की दिशा प्रदान की जाती है। ज्ञानशाला बच्चो के संस्कारों की निर्माण शाला है। संस्कृति, संरक्षण व संवर्धन का महत्वपूर्ण कार्य करते हुए आचार्य से तुलसी ने समाज को ज्ञानशाला रूपी महत्वपूर्ण अवदान प्रदान किया। आचार्यश्री महाप्रज्ञजी ने इसे निरंतर संरक्षण प्रदान किया और वर्तमान आचार्यश्री महाश्रमणजी के पावन मार्गदर्शन में यह निरंतर गतिमान है। उक्त आशय के उदगार श्री जैन श्वेतांबर, तेरापंथ धर्मसंघ के 11वे अनुशास्ता युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमणजी की विदुषी सुशिष्या साध्वीश्री उर्मिलाकुमारी जी ने ज्ञानशाला दिवस के आयोजन पर तेरापंथ भवन में उपस्थित बच्चों और श्रावक, श्रविकाओं के समक्ष व्यक्त किया। आजकल अभिभावक बच्चों को अच्छे स्कूल-कॉलेज में भेजने की जितनी चिंता करते हैं, दूरस्थ क्षेत्रों में पढ़ने भेजते हैं। उतनी चिंता उनके संस्कारों के सुरक्षा के लिए नहीं करते है। आपने महामात्य चाणक्य के शब्दों को उद्धरत करते हुए कहा कि, जहां बरसात नहीं होती वहां फसले खराब होती है, और जहां संस्कार नहीं दिए जाते,वहां नस्ले खराब होती है। वर्तमान युग में जिस प्रकार से संस्कारों का क्षरण हो रहा है उसे देखते हुए बाल पीढ़ी और देश के भविष्य के लिए चिंतन करना चाहिए। गुरुदेव ने शाकाहार के महत्व को समझाते हुए कहा कि, विकृत अन्न, चिंतन व व्यवहार को बदल देता है। मांसाहार मनुष्य के भीतर एक ओर बीमारियों को पैदा करता है, दूसरा मनोवृत्ति को क्रूर व तामसिक बनाता है।

इस अवसर पर साध्वीश्री मृदुलयशाजी ने कहा कि मां, बच्चों के जीवन की सबसे बड़ी निर्माता है। बचपन से छोटे बच्चों में सदाचार का विकास, रात्रि भोजन त्याग, जमीकंद त्याग, नियमित संत दर्शन और नियमित ज्ञानशाला जाने के धार्मिक संस्कारों का निर्माण करना चाहिए। आगामी 1 सितंबर से प्रारंभ हो रहे पर्युषण महापर्व के संदर्भ में कहा कि, यह आत्मा की पवित्रता का पर्व है। हमें स्वाध्याय, जप, तपस्या आदि धर्म आराधनाओं के माध्यम से इस पर्व को सफल बनाना है। ज्ञानशाला दिवस के इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न कंठस्थ ज्ञान गीत आदि विधाओं में सुंदर प्रस्तुति देते हुए ज्ञानशाला के महत्व को समझाया तथा बच्चों ने सुंदर संवाद की भी प्रस्तुति दी।

कार्यक्रम का प्रारंभ साध्वी ग्रंथ द्वारा नमस्कार महामंत्र के सघन से हुआ। कार्यक्रम का कुशल संचालन मध्यप्रदेश की आंचलिक सहसंयोजक व स्थानीय व्यवस्थापिका पुष्पा पालरेचा ने किया। इस अवसर पर। ज्ञानशाला परिवार व गत वर्ष के प्रायोजक हरकचंद केसरीमल भंडारी परिवार के द्वारा बच्चों को पुरस्कृत भी किया गया। बच्चों ने विभिन्न प्रकार की विधाओं में प्रस्तुत दी। छोटे बच्चों ने गोचरी का ज्ञान प्रदान करने वाले एक सुंदर कार्यक्रम गोचरी चर्या की प्रस्तुति दी।

जनजाति विकास मंच ने श्री कृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर बांसुरी वादन का किया आयोजन

माही की गूंज , पेटलावद

स्थानीय कृषि उपज मंडी पेटलावद में जनजाति विकास मंच द्वारा श्री कृष्ण जन्माष्टमी के शुभ अवसर पर बांसुरी वादन कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र से कई बांसुरी वादक सम्मिलित हुए तथा अपनी कला का प्रदर्शन किया। ज्ञात हो कि पिछले कुछ वर्षों पहले जनजातीय समुदाय में घर-घर बांसुरियों का स्वर खासकर श्रावण और भाद्रपद माह में सुनाई देता था लेकिन वर्तमान परिदृश्य में यह देखने को कम ही मिलता है। जनजाति समाज प्रकृति से नजदीक होकर वह पूर्णतः प्राकृतिक जीवन जीता है, विगत समय में वह अपने घर में गाय, बैल इत्यादि अधिक संख्या में रखता था, जब ग्वाले चराने जाते थे तो उस वक्त बांसुरियों का मधुर स्वर जंगलों में सुनाई देता था।

जनजाति विकास मंच जिला कार्यकारिणी सदस्य गौरसिंह कटारा ने कहा कि, हमारे जनजाति समाज में अनेकों प्रतिभाएं हैं जो अपने दैनिक जीवन में उसको मनोरंजन के स्वरूप में भी देखा जाता है। समाज में प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है लेकिन वर्तमान की जो पीढ़ी है वह आधुनिकता को महत्व देकर अपनी परंपराओं को नष्ट होता हुआ देख रहा है। श्री कृष्ण भी ग्वाले थे और वह बांसुरी बजाकर अपना जीवन जीते थे। इसीलिए आज जनजाति विकास मंच ने भी जनजाति समाज की जो प्रतिभाएं हैं उनको प्रदर्शित करने का अवसर दिया तथा इस तरह की प्रतिभाओं को पुनः जागृत किया जाए इस उद्देश्य से इस कार्यक्रम को आयोजित किया गया।

सुरसिंह मीणा ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि, हमारे समाज में कई ऐसे लोग हैं कि यदि प्रतियोगिता में मौका मिले तो वह निश्चित ही सफलता हासिल करेंगे लेकिन कहीं ना कहीं दुरुस्थ क्षेत्र में होने के कारण उन्हें मौका नहीं मिल पाता है। इस तरह की शिक्षा स्कूलों में भी होना चाहिए ताकि आने वाले समय में जो युवा पीढ़ी हैं वह भी इस प्रतिभाओं से रूबरू होकर उन्हें अपनी दैनिक जीवन में शामिल कर सकें। इस अवसर पर बांसुरी वादकों में अक्कु मैड़ा, सुरजी मैड़ा, बाबु डामर, शंभू डामर, कैलाश डामर, सवजी वसुनिया, रमेश वसुनिया एवं जनजाति विकास मंच के अनेकों कार्यकर्ता सम्मिलित हुए।

अखंड रामायण पाठ का 49 वा वर्ष संपन्न

माही की गूंज, खवासा।

ग्राम के बस स्टैंड स्थित प्राचीनतम श्री हनुमान मंदिर पर गत 49 वर्ष से प्रतिवर्ष श्रावण के महीने में अखंड रामायण पाठ किया जाता रहा है। जिसमें श्रद्धालु प्रतिदिन एक-एक घंटे रामायण पाठ करते हैं और यह क्रम रात्रि में भी लगातार चलता रहता है। जिसकी पूर्णाहुति जन्माष्टमी पर हवन के साथ ही की जाती है प्रतिदिन होने वाले खर्च का वहन अलग-अलग यजमानो द्वारा किया जाता है और आखरी दिन इन्ही यजमानो में से गोटी डालकर महायज्ञ के यजमान का चयन किया जाता है। इस वर्ष हवन के मुख्य यजमान गणपतदास जी बैरागी थे। जन्माष्टमी के अवसर पर मुख्य आचार्य पंडित ओमप्रकाश दुबे के द्वारा महायज्ञ करवाया गया। शाम को पूर्णाहुति पर हनुमान जी को 56 भोग का प्रसाद चढ़ाया गया और रात्रि में आकर्षक झांकियां बरसते पानी में निकाली गई। पानी गिरने के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ। झांकियां ग्राम भ्रमण के पश्चात पुनः हनुमान मंदिर पहुंची। जहां महाआरती के पश्चात 36 दिनी अखंड रामायण पाठ का समापन किया गया। मंदिर से जुड़े श्रद्धालु के अनुसार यह अखंड रामायण पाठ का 49 वा वर्ष था। 1976 से प्रतिवर्ष सावन माह में यहां अखंड रामायण पाठ चलता आ रहा है। अगले वर्ष 2025 में अखंड रामायण पाठ का 50 वॉ वर्ष रहेगा जो विशेष आयोजन के साथ मनाए जाने की योजना है।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया

नगर के मंदिरों पर जन्माष्टमी के अवसर पर विशेष साज-सज्जा की गई थी और दिन भर धार्मिक भजन होते रहे और रात ठीक 12 बजे महाआरती के साथ नटखट माखन चोर श्री कृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। गोपाल मंदिर श्री कृष्ण मंदिर व राधा कृष्ण मंदिर पर जन्मोत्सव मनाते हुए एक-दूसरे को श्री कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई दी व जन्माष्टमी के अवसर पर शक्कर और सूखे धनिया से बनी विशेष प्रसादी वितरित की गई तथा भगवान श्री कृष्ण को 56 भोग लगाया गया।

मौसम परिवर्तन और वर्षा से मरीजों की संख्या में हुई वृद्धि

माही की गूंज, खवासा

बारिश और मौसम परिवर्तन के कारण सरकारी अस्पतालों और ग्रामीण अंचलों के निजी क्लीनिकों में वायरल बुखार के मरीजों की संख्या में वृद्धि हुई है। मंगलवार को खवासा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की ओपीडी में 150 के करीब मरीजों की उपस्थिति दर्ज की गई, बुधवार को भी ले ही स्थिति रही। वहीं आस पास के ग्रामीण अंचलों के निजी एवं फर्जी क्लीनिकों पर भी मरीजों की भीड़ देखी जा रही है।

ओपीडी में विभिन्न प्रकार की वायरल फीवर की बीमारियों से पीड़ित मरीज आ रहे हैं, जिनमें अधिकांश वायरल फीवर और अन्य मौसमजनित बीमारियों से ग्रस्त हैं। माही की गूंज में प्रकाशित समाचार के बाद खवासा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर पदस्थ डॉक्टर आ कर उपचार कर रहे डा.राकेश निनामा और साकेत जैन ने बताया कि, वर्षा के कारण सर्दी-जुकाम और वायरल फीवर के मरीज अधिक आ रहे हैं, जिनका तत्काल इलाज किया जा रहा है। गंभीर मामलों में मरीजों को लैब में जांच के लिए भेजा जा रहा है। मरीजों में सबसे अधिक वायरल बुखार, डायरिया, सर्दी-जुकाम, पेट दर्द और उल्टी की शिकायतें देखी जा रही हैं।

खवासा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर ओपीडी में रोजाना 100 से 150 मरीज पहुंच रहे हैं। चिकित्सक न केवल इलाज और उपचार प्रदान कर रहे हैं बल्कि बीमारियों से बचाव के तरीके भी बता रहे हैं। डॉक्टरों के अनुसार, बारिश के मौसम में उल्टी, दस्त और बुखार के मरीजों की संख्या बढ़ जाती है, और इसका असर आमतौर पर तीन दिन तक रहता है। बुखार आने पर चिकित्सकों की सलाह पर ही दवाइयाँ लेनी चाहिए। मौसम परिवर्तन से बीमारियों के कारण अस्पताल में मरीजों की संख्या बढ़ गई है, सबसे अधिक बुखार के मरीज आ रहे हैं और उनकी रक्त की जांच कराई जा रही है।

बच्चों को भी उल्टी दस्त व सर्दी जुकाम अधिक

नवजात से लेकर 6 वर्ष तक के बच्चों में भी उल्टी, दस्त और सर्दी-जुकाम की शिकायतें बढ़ गई हैं। डॉक्टरों ने अभिभावकों को सलाह दी है कि, वे अपने बच्चों को वर्षा के पानी से बचाएं, क्योंकि संक्रमण पानी के माध्यम से फैल सकता है।

कारागार में कृष्ण जन्म की प्रस्तुति ने सभी का मन मोहा, भगवान कृष्ण को 56 भोग लगाया

माही की गूंज ,पेटलावद

ब्राह्मण समाज महिला मंडल व कन्या मंडल पेटलावद ने छोटे छोटे बच्चों के साथ मिलकर कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव श्री सरस्वती नंदन स्वामी भजनाश्रम गुरूद्वारा में मनाया। जहां पर छोटे छोटे बालक बालिकाएं राधा कृष्ण के रूप में हर किसी को अपनी ओर आकर्षीत कर रहे थे। बच्चों को कन्हैया बना देख कर सभी का मन प्रसन्न हो गया। कार्यक्रम के शुभारंभ में महिला मंडल ने भजन और किर्तनों की प्रस्तुति दे कर वातावरण को कृष्णमय बना दिया। दीप प्रवज्लन समाज की वरिष्ठ सुमित्रादेवी शुक्ला ने किया। भगवान को 56 भोग का नैवेद्य भी समाज की महिलाओं सामूहिक रूप से अपने अपने घरों से फ्लाहारी प्रसाद के माध्यम से लगाया। जिसके पश्चात छोटे बच्चों की फेंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमें राधा कृष्ण बने बच्चों ने प्रस्तुति दी। इसके साथ ही छोटे बच्चों की दही हांडी प्रतियोगीता

का आयोजन रखा गया। जिसमें आंखों पर पट्टी बांध कर इधर उधर जाते राधा और कन्हैंया ने सभी का मन प्रसन्न कर दिया।

जिसमें छोटे छोटे बच्चें रुद्रिका त्रिवेदी, धीर जानी, मंत्र शुक्ला, मौली शुक्ला, शिवन्या भट्ट, पंकजा दवे, लेखनी दवे, छंदसकंदा भट्ट, अभुध्य व्यास, प्रबुद्ध व्यास, हरि शुक्ला, रियांश उपाध्याय ने भाग लिया। इसके पश्चात छोटे आयु वर्ग के बच्चो के द्वारा कारागार में श्री कृष्ण ने जन्म पर आधारित सुंदर प्रस्तुति मंत्र शुक्ला, मौली शुक्ला, धीर जानी, रुद्रिका त्रिवेदी, शिवन्या भट्ट, पंकजा दवे ने दी। भगवान कृष्ण के जन्म की जीवंत प्रस्तुति ने सभी का मन मोह लिया। विशेष रूप से सहयोग अवनी भट्ट, इशिका भट्ट, कन्या मंडल अध्यक्ष उत्तरा उपाध्याय, लब्धि भट्ट, धरा जानी, स्वर्णिमा रामावत ने दिया।

बच्चों को दिया पुरस्कार

इस आयोजन में महिला मंडल ने भजन प्रतियोगिता, मटकी सजाओ प्रतियोगिता, मटकी फोड़ प्रतियोगिता और भगवान राधा कृष्ण की महाआरती का आयोजन रखा गया। इस मौके पर कार्यक्रम में आयोजित प्रतियोगीता में भाग लेने वाले बच्चों और बालिकाओं को पुरस्कार से सम्मानित किया गया। मटकी फोड़ प्रतियोगिता में रश्मि दवे, मटकी सजाओ में प्रथम प्रीति शुक्ला, द्वितीय अवनी भट्ट रहे। महिला मंडल अध्यक्ष संगीता त्रिवेदी ने बताया कि कृष्ण जन्माष्टमी का महोत्सव महिला मंडल के द्वारा समाज की सभी महिलाओं के सहयोग संपन्न हुआ। जिसमें सभी महिलाओं ने बढ चढ कर हिस्सा लिया। संचालन स्वर्णिमा रामावत ने किया। आभार संगीता त्रिवेदी ने माना।

संपादकीय

बेल, फिर भी जेल

देश में लंबे समय से यह मुद्दा चर्चा में रहा है कि आखिर क्यों जमानत मिलने के बावजूद हजारों विचाराधीन कैदी जेलों में अमानवीय जीवन जीने को अभिशप्त हैं। यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि देश की जेलें जरूरत से ज्यादा कैदियों से भरी हुई हैं। जिसमें गरीब व वंचित समाज के लोगों की संख्या ही अधिक है। ऐसे गरीब लोगों की संख्या काफी है, जिनकी कोई जमानत लेने वाला तक नहीं होता। हम न भूलें कि जेलों का मकसद परिस्थितिवश अपराध की गलियों में फिसले लोगों के जीवन में सुधार लाना होता है, सिर्फ दंडित करना ही नहीं। खूंखार व पेशेवर अपराधियों को छोड़ दें, तो विषम हालातों में अपराधों की दुनिया में उतरे लोगों का हृदय परिवर्तन करके एक जिम्मेदार नागरिक बनाना भी जेलों में रखने का मकसद होता है। यही वजह है कि जमानत मिलने के बावजूद जेल के सीखचों के पीछे बंदी जीवन जीने वाले विचाराधीन कैदियों की रिहाई के प्रश्न पर गाहे-बगाहे चिंता व्यक्त की जाती रही है। निस्संदेह, हमारी जेलें कैदियों से खचाखच भरी हैं। उनमें कैदियों की संख्या निर्धारित संख्या से बहुत ज्यादा ही है। एक अनुमान के अनुसार करीब पांच हजार विचाराधीन कैदी जमानत मिलने के बावजूद रिहाई की प्रतीक्षा में हैं। पिछले साल सुप्रीम कोर्ट ने कई निर्देश जारी किए थे। जिसमें अदालतों से बांड और जमानत देने की शर्तों को संशोधित करने पर विचार करने को कहा गया था। शीर्ष अदालत ने इस दिशा में संकेत दिया था कि ऐसे कैदियों की सामाजिक व आर्थिक परिस्थितियों पर एक रिपोर्ट तैयार की जाए। जिससे विचाराधीन कैदियों की रिहाई की शर्तों में ढील दी जा सके। निस्संदेह, बदलते वक्त के साथ एक लोकतांत्रिक देश में न्यायिक व्यवस्था का चेहरा मानवीय बनाने की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है। वैसे भी न्याय की अवधारणा रही है कि निर्दोष व्यक्ति को किसी भी हालात में अन्याय से बचाया जाना प्राथमिक दायित्व होना चाहिए। इसी आलोक में शीर्ष अदालत ने एक बार फिर न्यायाधीशों से कहा है कि वे जीवन की कड़वी हकीकत से आंख नहीं मूंद सकते। इसका अवलोकन स्थिति को अधिक स्पष्ट कर सकता है। अदालत का मानना रहा है कि जमानत देना और उसके बाद अत्यधिक शर्तें लगा देना, कुछ ऐसा ही है कि दाहिने हाथ से किसी को कुछ दिया गया, बाएं हाथ से छीन लिया गया। अदालत ने मानवीय दृष्टिकोण को संस्थागत बनाने की जरूरत पर बल दिया है। दरअसल, जमानत एक नियम है और जमानत से इनकार एक अपवाद है। इस बात को शीर्ष अदालत ने हाल के फैसलों में जोरदार तरीके से दोहराया है। यह माना गया कि यदि व्यक्तिगत स्वतंत्रता के लिये कोई मामला बनता है तो जमानत दी जानी चाहिए। अब चाहे भले ही किसी व्यक्ति का अपराध गैरकानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए के तहत ही क्यों न हो। दरअसल, आतंकी कृत्यों को दंडित करने वाले कानूनों को अकसर कठोर कर दिया जाता है। यही वजह कि त्वरित सुनवाई और स्वतंत्रता के हक को पवित्र अधिकार बताते हुए शीर्ष अदालत ने यह कहने से कोई परहेज नहीं किया कि निचली अदालतें और उच्च न्यायालय जमानत देने के मामलों में सुरक्षित दृष्टिकोण अपनाने का प्रयास करते नजर आते हैं। शीर्ष अदालत ने इस बात को लेकर गंभीर चिंता जताई कि देश की न्याय प्रणाली हर स्तर पर देरी से जूझ रही है। यदि 'तारीख पे तारीख' एक पुरानी खामी है तो जमानत मिलने के बाद विचाराधीन कैदियों के जेलों में बंद रहने का पहलू भी यही है। अदालत का मानना रहा है कि देश में जागरूकता और कानूनी साक्षरता की कमी भी इस संकट को बढ़ाने का ही काम कर रही है। निस्संदेह, शीर्ष अदालत का दृष्टिकोण न केवल प्रगतिशील व न्यायपूर्ण है बल्कि देश में व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा और नागरिकों को जागरूक करने के गंभीर मुद्दे की ओर भी ध्यान दिलाता है। शीर्ष अदालत की हालिया संवेदनशील पहल से देश में करोड़ों लंबित मुकदमों के शीघ्र निस्तारण और पीढ़ी-दर-पीढ़ी न्याय की आस में बैठे लोगों को न्याय दिलाने की दिशा में गंभीर पहल की उम्मीद भी जगती है।

नापाक गठजोड़ से संचालित तबादलों का बड़ा खेल

गुरबचन जगत

मेरी यादें मुझे 1990 के दशक के मध्य में ले जा रही हैं, जब मैं चंडीगढ़ स्थित पुलिस मुख्यालय में एक प्रशासनिक अधिकारी की हैसियत से नियुक्त था। एक दोपहर, पुलिस महानिदेशक ने मुझे बुलाया और इच्छा जताई कि मुझे भी पंजाब भवन में मुख्यमंत्री के साथ बैठक में उनके साथ जाना चाहिए। हम दोनों समय पर पहुंच गए, लेकिन मुख्यमंत्री वहां नहीं थे, कुछ देर बाद उनकी ओर से एक सहयोगी आया। गर्मजोशी भरी दुआ-सलाम के आदान-प्रदान के बाद, मंत्री ने अपनी जेब से कागज की एक पर्ची निकाली और महानिदेशक को थमा दी। मेरे बॉस जल्द आपा खो देने के लिए मशहूर थे और मैं उनका चेहरा लाल होते हुए देख पा रहा था। फिर उन्होंने वह पर्ची मुझे पकड़ा दी, इसमें लगभग 20 तबादलों की सूची थी। प्रस्तावित बदलियां एक ही सिद्धांत पर आधारित थीं- सभी मौज-मस्ती वाले फील्ड में और तमाम बढ़िया अधिकारी दफ्तरी कामकाज पर। डीजीपी ने मुझसे मेरी राय पूछी, मैंने उनकी सोच का समर्थन किया और कहा कि एक भी प्रस्ताव स्वीकार करने लायक नहीं है। महानिदेशक उठ खड़े हुए और जैसे ही हम बाहर निकलने के लिए तैयार हुए, मंत्री ने सुझाव दिया कि इस मामले पर हम चर्चा कर सकते हैं और चाहें तो कुछ बदलाव भी किए जा सकते हैं। लेकिन उन्हें दो टूक बता दिया गया कि ऐसी सौदेबाजी हमारे बस की नहीं है, सो इस निश्चय के साथ बैठक से बाहर आ गए। मैंने महानिदेशक को उनके घर छोड़ा और कहा कि अब हमें खुद भी अपनी बदली के लिए तैयार रहना चाहिए। दो दिनों के बाद, हम दोनों को सूबे से बाहर स्थानांतरित कर दिया गया और साथ ही मुख्य सचिव को भी (जाहिर है, उन्हें भी ऐसा ही अनुभव हुआ होगा)। हालांकि, वह वक्त अलग था और मूल्य और सिद्धांत अपनी जगह कायम थे, लिहाजा हम में से किसी की भी नौकरी पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा। वास्तव में, महानिदेशक की नियुक्ति बतौर राज्यपाल एक सूबे में हो गई। मुख्य सचिव की प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव के रूप में और मुझे जम्मू-कश्मीर का पुलिस महानिदेशक बनाया गया।

यह प्रसंग तब का था जब हम अभी उग्रवाद के जंजाल से पूरी तरह उबरे नहीं थे। वैसे भी बदलियों और नियुक्तियों को लेकर पुराने नियम-कायदे अभी भी जारी थे। पुलिस महानिदेशक की ओर से गृह विभाग को प्रस्ताव भेजा जाता और यदि गृह सचिव और डीजीपी के बीच कोई मतभेद हो, तो उसे दूर कर करने के बाद, नाम आगे मुख्यमंत्री को भेज दिया जाता। साथ ही, उग्रवाद के कारण, महानिदेशक के भेजे प्रस्ताव सामान्यतः स्वीकार हो जाते थे। इससे पहले भी,स्वतंत्रता-पूर्व काल में यही प्रथा थी और इस पर अमल बड़े जिम्मेदार तरीके से किया जाता था। ऐसे मामलों में, बड़े पैमाने पर राजनीतिक हस्तक्षेप होने का सवाल नहीं था। 19वीं सदी के मध्य में भारतीय सिविल सेवा (आईसीएस) में सुधार लागू होने शुरू हुए (1854 में आईसीएस पर लॉर्ड मैकॉले की रिपोर्ट के परिणामस्वरूप) और नौकरी पर रखना किसी की मेहरबानी की बजाय योग्यता-आधारित प्रणाली में परिवर्तित हो गया। ये सुधार ब्रिटिश होम सिविल सर्विस में भी लागू किए गए। एल्के प्रैंक (हंटर कॉलेज, सिटी यूनिवर्सिटी ऑफ़ न्यूयॉर्क) द्वारा लिखे गए एक शोधपत्र में, उन्होंने सरकार परिवर्तन काल में नौकरशाही के महत्व का वर्णन किया है: 'चूंकि नौकरशाही' आधुनिक सरकार की धुरी है, इसलिए राजनीतिक परिवर्तन काल की प्रक्रिया में नौकरशाहों की भूमिका खासतौर पर अहम हो जाती है। जब एक सरकार पहले वाली की जगह लेती है, भले ही सत्ता का यह हस्तांतरण राजनीतिक व्यवस्था के अंदर क्रांतिकारी परिवर्तन दर्शाता हो या फिर स्थापित संवैधानिक ढांचे के भीतर किसी पार्टी की किस्मत चमकी हो, नौकरशाहों से अपेक्षा होती है कि वे अपने पदों पर

बने रहें और प्रशासन के क्रिया-कलाप में पूर्ववत भाग लेते रहें। नीतिगत तंत्र में चाहे कितने भी बड़े बदलाव हों, सरकार के पहिए थमने नहीं चाहिए। आवश्यक कार्यक्रम और संचालन जारी रहें, बुनियादी प्रतिबद्धताओं का सम्मान बना रहे, वरना पूरा सामाजिक ताना-बाना बिखर जाएगा।'

यह योग्यता-तंत्र की मूल परिकल्पना के अनुरूप है और उन बुनियादी प्रतिबद्धताओं का सम्मान अवश्य रहे, जिनसे मिलकर लोकतंत्र एवं एक सक्षम सरकार का हृदयस्थल बनता हैं। हालांकि, राजनीतिक एवं प्रशासनिक काबिलियत, जवाबदेही और नैतिकता के मानकों में आमतौर पर आई गिरावट के अलावा सिविल सेवाओं में बाहरी हस्तक्षेप बढ़ने लगा। इसकी शुरुआत तब हुई जब सत्तासीन लोग अपने प्रभाव क्षेत्र में मनपसंद अधिकारी चाहते थे और अफसर भी जिस जगह मनमाफिक नियुक्ति चाहते थे, उसके लिए राजनीतिक संबंधों को भुनाने लगेदृ इस तरह आपसी हितों का पोषण करने वाली एक व्यवस्था स्थापित हो गई। पहले पहल, यह बूंदों के रूप में थी, लेकिन बाद में तो बाढ़ आ गयी। कारण था सिविल सेवाओं का राजनीतिकरण और राजनेता-अपराधी-पुलिस गठजोड़ का उद्भव, जिसमें आगे इजाफा हुआ सियासी दलों द्वारा 'इलाका प्रभारी' प्रणाली की शुरुआत से (विभिन्न राज्यों में इलाका प्रभारी को अलग-अलग नाम से जाना जाता है)। सिविल अधिकारी खुलकर 'सियासी आकाओं' के साथ गठजोड़ करने लगे और अपने राजनीतिक मालिकों की धन एवं बाहुबल से मदद करने के लिए आपराधिक गुटों को अभयदान देने लगे। जिला और उपमंडल स्तरीय पद, जैसे डीएसपी, एसडीएम और एसएचओ स्तर पर बदलियों का काम इलाका प्रभारियों के हवाले कर दिया गया, जो इन अधिकारियों को पैसा पहुंचाने वाले बिचौलिए भी बन गए, जिनकी प्रतिबद्धता अब अपने वरिष्ठ अधिकारियों या सेवा के प्रति न रहकर इस माफिया की ओर हो गई। इस घटनाक्रम ने सिविल सेवाओं में अपने से ऊपर अधिकारियों के प्रति जवाबदेही और इसकी नैतिकता की रीढ़ तोड़ दी, और कानून के शासन के प्रति प्रतिबद्धता बनाए रखने के दिन लद गए। अधिकतर अच्छे अफसरों को दरकिनार कर दिया गया या उन्होंने डेपुटेशन पर भारत सरकार में जाना चुना (यह बीमारी फैलने में कुछ समय लगा लेकिन अब तो गहरे तक पैठ कर चुकी है)। धन और बाहुबल की बढ़ती जरूरत के कारण, भ्रष्टाचार में गुणात्मक वृद्धि हुई और संगठित आपराधिक गुटों से बहुत बड़ी मात्रा में 'गंदा पैसा' आने लगा, वे नेताओं को बाहुबल भी मुहैया करवाते हैं। इससे पूर्णकालिक समग्लर, नशा एवं काले धन के धंधेबाजों से बने माफिया का युग शुरू हुआ दृ यानी गैंग। वह गैंग जिनके बारे में कभी सुना भी न था, लेकिन अब तो इनके फैलाव को संभालना मुश्किल हो रहा है। आपसी गैंगवार, गोलीबारी, जेलों में झगड़े और ड्रग माफिया को निशाना बनाकर हत्याएं हो रही हैं। देश-विदेश में इस नेटवर्क के फैलने में राजनीतिक दलों का हाथ सदा रहा है। जिस तरह लोकसभा और विधानसभा के चुनाव होते हैं यह नेटवर्क और भी मजबूत हो गया है क्योंकि उनमें धन और बाहुबल, दोनों की जरूरत होती है।

मैंने नौकरी के दौरान विभिन्न स्थानों और पदों पर रहते हुए अनेक चुनाव प्रक्रिया में भाग लिया। मुझे कभी यह समझ नहीं आया कि चुनाव से ठीक पहले पुलिस और अन्य सिविल अफसरों के तबादले नतीजों को कैसे प्रभावित कर सकते हैं। उदाहरणार्थ, भले वक्त में भी पुलिस वाले लोकप्रिय नहीं होते, लोग केवल उनसे डरते हैं न कि इज्जत करते हैं। मुझे समझ नहीं आता कि ये 'चुनिंदा' पुलिस अधिकारी सिवाय आदमी और पैसा मुहैया करवाने के, और क्या मदद कर पाएंगे। वे तभी उपयोगी हैं यदि मतदान में पूरी और सरेआम धांधली करवाएं, शुक्र है अभी तक ऐसा नहीं हुआ। वे वोटिंग मशीनों में हेराफेरी करने में भी सक्षम नहीं और यह आरोप वैसे भी कभी सिद्ध नहीं हुआ, खासकर जब विभिन्न राजनीतिक दल जीत प्राप्त कर सत्तारूढ़ हो रहे हों। जो भी है, पुलिस और अन्य सिविल सेवा संस्था, जिनसे मिलकर आपराधिक न्याय प्रणाली बनी है, टूटी-बिखरी पड़ी है और जो स्वरूप पहले था, वह पहचान में नहीं आ रहा। न्यायपालिका, जो कि इस सिस्टम का एक अन्य महत्वपूर्ण स्तंभ है, उसे भी आत्मनिरीक्षण करने और लाखों लंबित मामलों का हल खोजने की जरूरत है। जब भी कोई वीभत्स घटना घटती है तभी हम आंदोलन करने लगते और कार्यबल बनाए जाते हैं। हालांकि, समय बीतने के साथ, यह सब ठंडे बस्ते में डाल दिया जाता है- लेकिन मिलीभगत कायम रहती है। क्या ये नापाक गठजोड़ कभी तोड़ा भी जा सकेगा? ऐसा लगता है कि केवल लोगों की सामूहिक इच्छाशक्ति और ताकत ही इस रोग का इलाज कर सकती है।

राजनेताओं से मुक्त पुलिस ही दिलाएगी न्याय

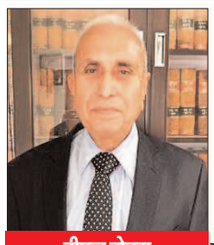

बीएल वोहरा

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में एक युवा प्रशिक्षु डॉक्टर की बलात्कार एवं हत्या ने न केवल पश्चिम बंगाल में बल्कि समूचे देश में रोष एवं उद्वेलन पैदा किया। पश्चिम बंगाल में सत्ताधारी दल और पुलिस पर इस जघन्य अपराध की जांच में तेजी न लाने का आरोप लगा है। केंद्र में सत्तारूढ़ सरकार और राज्य सरकार एक-दूसरे पर आरोप लगाने में लगे हैं। आरोप-प्रत्यारोपों का राजनीतिक खेल चला हुआ है, जिसमें पुलिस फुटबॉल की तरह बनी हुई है। अब जबकि जनता के भारी दबाव के बाद, जांच सीबीआई को सौंपी जा चुकी है, तो सूबा सरकार पड़ताल कुछ ही दिनों में पूरी करने की मांग करने लगी है। खुद को राजनीतिक नुकसान से बचाने के लिए, इसके सदस्य आरोपियों के लिए मौत की सज़ा की मांग करने के लिए सड़कों पर उतर आए।

कोलकाता बलात्कार-हत्या मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने स्वतः संज्ञान लेते हुए तीखी टिप्पणियां की हैं। इसने राज्य सरकार को एक नोटिस भेजा है और एक कार्य बल का गठन किया है जो अस्पतालों में सुरक्षा की समीक्षा करने के बाद सुधार के उपाय बताएगा, और कुछ अन्य सुझाव अपनी तरफसे भी दिए हैं। कोलकाता में कुछ दिन पहले एक और समस्या उत्पन्न हुई, जब शहर के विभिन्न इलाकों में कानून-व्यवस्था की नाजुक स्थिति को संभालने के लिए अधिकांश पुलिस बल की तैनाती के कारण साल्ट लेक स्टेडियम में मोहन बागान और ईस्ट बंगाल के बीच डूरंड कप फुटबॉल मैच रद्द करना पड़ा। इससे भड़के युवाओं की भीड़ ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। लाठीचार्ज किया गया और कई प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया गया।

उधर, महाराष्ट्र के बदलापुर में दो स्कूली छात्राओं से छेड़छाड़ की घटना ने देशभर में व्याप्त आक्रोश को और बढ़ा दिया। हमारे देश में भयावह अपराध और राजनीतिक कीचड़ उछालना कोई नई बात नहीं है। वर्षों से यही होता आया है और होता रहेगा, क्योंकि मूल बीमारी का इलाज कोई नहीं करना चाहता, केवल लक्षणों का उपचार करने में लगे रहते हैं। व्याधि यह है कि सूबों में पुलिस सत्तारूढ़ दल की निजी सेना बनकर रह गई है क्योंकि पुलिस अधिनियम, 1861 के अंतर्गत वह कार्यपालिका के प्रति जवाबदेह है - इसका मतलब है सत्तारूढ़ दल के नेताओं के आदेश से बंधना। कहने की जरूरत नहीं है कि तमाम राजनीतिक दल पुलिस पर इस किस्म के नियंत्रण से बहुत खुश हैं। यह बात कारण फर्ज से समझौता करना, लिहाजा कई पुलिसकर्मी राजनेताओं से हाथ मिला लेते हैं, मुख्यतः इसलिए भी क्योंकि यह राजनेता ही हैं, जो उन्हें तरक्की-इनाम दिलवा सकता है या फिर कई तरीकों से तंग कर सकता है। हम अभी भी 1861 के कानून पर अटके पड़े हैं। एक बार पुलिस को संविधान और संसद के प्रति जवाबदेह बना दिया जाए तो स्थिति में काफी सुधार होगा। तब हमारी पुलिस भी कई अन्य देशों की भांति बिना किसी डर के, कानून के अनुसार ने हमें पुलिस के लिए जो कानून और प्रक्रियाएं दीं, वे समय की जरूरत के अनुसार बदलती थीं और तेजी से अद्यतित होती थीं। राजनीतिक दलों द्वारा मामलों का राजनीतिकरण न किए जाने से न्याय त्वरित होता है। ब्रिटेन में हाल ही में हुए दंगों में, बिना किसी राजनीतिक हस्तक्षेप के, कुछ दंगइयों को अपराध किए जाने के कुछ ही दिनों के अंदर 20 महीने के लिए जेल भेज दिया गया है! क्या आप भारत में ऐसा होने की कल्पना कर सकते हैं?

एक अन्य समस्या देश में पुलिस बल की दयनीय स्थिति है। गंभीर अपराध वाले मामलों की तफ्तीश करने में पुलिस को कई प्रकार के संसाधनों की कमी का सामना करना पड़ता है। तिस पर संख्या बल कम है। भवन, वाहन, उपकरण आदि से संबंधित ढांचागत कमियों के अलावा साइबर अपराध जैसी चुनौतियों से निपटने के लिए लगभग पांच लाख रिक्तियां हैं3, सूची अंतहीन है।

पुराने ज़माने के कानून और प्रक्रियाएं न्याय प्रदान करने में एक अन्य बाधा है। हाल ही में लागू हुए नए आपराधिक कानूनों में भी कई खामियां हैं। दुखद यह है कि इन कानूनों को बनाते वक्त पुलिस अधिकारियों, वकीलों और न्यायाधीशों से सलाह नहीं ली गई है, जबकि आपराधिक मामलों को रोजाना वही देखते हैं। इसके अलावा, पिछले कुछ वर्षों में, केंद्रीय पुलिस बलों को तरजीह देकर राज्य पुलिस बलों की उपेक्षा की गई है, इसके जिम्मेवार कुछ हद तक राज्य सरकारें भी हैं, क्योंकि पुलिस विभाग सूबा सरकार का विषय है। हर कोई, जो इस संदर्भ में महत्वपूर्ण है, ब्रिटिश व्यवस्था की तर्ज पर न्यायिक सुधार, यानी त्वरित न्याय की बात कर रहा है, लेकिन ज़मीन पर कुछ भी नहीं हो रहा है। न्यायिक अदालतों में लगभग पांच करोड़ मामले लंबित पड़े होने और यह संख्या दिन-ब-दिन बढ़ते जाने से आम नागरिक के लिए कोई उम्मीद नहीं रह गई। इस बाबत कोई कुछ नहीं कर रहा। इसलिए, भारत में आम आदमी के लिए न्याय तब तक मिलना मुश्किल है जब तक कि आवश्यक कार्रवाई पर्याप्त तेजी से नहीं की जाती। हमारे पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए, निकट भविष्य में यह होने की संभावना नहीं है।

मोदी की यूक्रेन यात्रा में निहित संदेश

ज्योति मल्होत्रा

शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा यूक्रेन की राजधानी कीव के एक बगीचे में लगी महात्मा गांधी की मूर्ति को श्रद्धा सुमन भेंट करने के अवसर पर कुछ अति उत्साही भारतीयों द्वारा 'हर-हर मोदी' और 'जय श्री राम' के नारे लगाने से माहौल की संजीदगी को कुछ हद तक ठेस पहुंची होगी। कुछ मिनट बाद, रूस-यूक्रेन युद्ध में मारे गए लोगों के यादगार स्मारक के सामने मोदी और व्लोदिमीर ज़ेलेंस्की के बीच हुई मुलाकात में भावनाएं जिस प्रकार स्पष्टतः उमड़ती दिखी, वह भारत के समक्ष उत्पन्न उस धर्मसंकट का भी द्योतक रही, जो इस युद्ध में मध्य मार्ग चुनने से बना है।

पृष्ठभूमि समझने में ज्यादा मुश्किल नहीं। रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण किया और इसकी भरपूर निंदा होनी चाहिए - कई भारतीयों के अलावा बहुत से रूसी भी इसकी आलोचना करते हैं। लेकिन बारीकी से देखने पर, अन्य संदर्भ सामने आ जाते हैं। दो साल पहले, नाटो का विस्तार ठीक अपनी सीमा तक पहुंचते देख असुरक्षा की भावना से भरे रूस ने यूक्रेन पर चढ़ाई कर दी। अब यह लड़ाई ऐतिहासिक रूप से साझेदार और सह-धर्मियों के मध्य हार-जीत को लेकर कम बल्कि विश्व पटल पर रूस की जगह को लेकर रूस-अमेरिका के बीच जारी खींचतान की वजह से ज्यादा है। हर कोई, विशेष रूप से यूक्रेनियन, जानता है कि अगर अमेरिका के साथ-साथ पश्चिमी जगत के बड़े हिस्से ने ज़ेलेंस्की के लोगों को अत्याधुनिक हथियार नहीं दिए होते,तो युद्ध कब का खत्म हो चुका होता। लेकिन ऐसा हुआ नहीं और निर्दोष लोगों की मौत लगातार जारी है। बड़ी शक्तियों का राजनीतिक खेल हावी हो चुका है। यूक्रेन का यह युद्ध अब इस उद्देश्य को लेकर है: 'कौन बनेगा दुनिया का दादा'? 1991 के अंत में सोवियत संघ के विघटन के बाद, साफहै अमेरिका दुनिया की एकमात्र महाशक्ति वाला अपना ओहदा छिन जाने को लेकर तैयार नहीं। रूसी भले ही आज अमेरिकियों जितने मजबूत न हों, लेकिन फिर भी काफी शक्तिशाली हैं,और उनका जोर इस बात पर है कि शीर्ष पर एक से अधिक के लिए गुंजाइश है। हमेशा की तरह,चीन 'देखो और इंतजार करो' वाली अपनी नीति के साथ, खुद को दोनों पक्षों के साथ खड़ा दिखाए रखने को उत्सुक और इच्छुक हैदृ जहां एक और वे अमेरिका के साथ अपना व्यापार बढ़ा रहे हैं वहीं ठीक उसी वक्त व्लादिमीर पुतिन की घर और बाहर, दोनों जगह, प्रासंगिक बने रहने की चिंता भरी जरूरत का समर्थन भी करते नजर आ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी और भारत का रुख क्या है? जारी इस महा खेल में भारत किसकी तरफदारी करे, इसका उत्तर जटिल है। मोदी ने दुनिया के सबसे खूबसूरत शहरों में से एक कीव में जब ज़ेलेंस्की से कहाः 'भारत शांति की दिशा में किसी भी प्रयास में सक्रिय भूमिका निभाने' को तैयार है, इससे कुछ पल पहले, दोनों ने एक-दूसरे को गर्मजोशी से गले लगाया था - कुछ हद तक उस लंबी गलबही की तरह जो मोदी और पुतिन ने छह सप्ताह पहले मॉस्को के बाहरी हिस्से में स्थित पुतिन के घर में

डाली थी और जिसको लेकर ज़ेलेंस्की ने खुले तौर पर माना था कि इसने उन्हें परेशान कर डाला था। कुछ क्षण बाद, मोदी ने अपना बायां हाथ ज़ेलेंस्की के बाएं कंधे पर रखा, जैसा कि बड़े भाई अक्सर अनुज के साथ करते हैं, और कुछ देर वहीं रखे रखा, इस बीच फोटोग्राफरों ने कई तस्वीरें लीं। ऐसा लगता है कि मोदी वास्तव में द्रवित हुए - यह अच्छी बात है कि वे हुए। भारत आमतौर पर कमज़ोर के साथ खड़ा होता है दृ पूर्व पूर्वी पाकिस्तान में मुक्ति वाहिनी का सहयोग इसका एक बढ़िया उदाहरण है। लेकिन यहां तो कुछ और ही होता नजर आ रहा है। ऐसा लगता है मानो मोदी को एक तरह से राज़ी किया गया हो कि वे यूक्रेनियों के साथ खड़े दिखाई दें - और इस तरह, परोक्ष रूप से अमेरिका के साथ। अमेरिकियों ने मोदी की मॉस्को यात्रा पर अपनी नाराजगी जाहिर करने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। तथ्य यह है कि पिछले दो वर्षों में, भारत द्वारा रूस से रियायती दर पर भारी मात्रा में तेल खरीदने से व्यापार के आंकड़े में भारी उछाल बनने के बावजूद, भारत-अमेरिका के बीच लेन-देन अभी भी भारत-रूस व्यापार से दोगुना है। पश्चिम में जो लोग यूक्रेन पर रूसी आक्रमण की निंदा करने से इनकार करने पर भारत की आलोचना करते हैं, उन्हें अपने गिरेबान में झांकने की जरूरत है दृ स्वयं पर पक्षपाती होने का आरोप लगने के जोखिम पर, उदाहरणार्थ, उनसे पूछा जाए: 'आपने इस्राइल द्वारा गाज़ा के अस्पतालों, स्कूलों और संयुक्त राष्ट्र परिसर पर की जाने वाली बमबारी रोकने के लिए क्या किया'? या फिर, मुख्य सहयोगी पश्चिमी मुल्क दृ जिनमें अधिकांश पांच सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में हैं दृ क्या इनमें किसी एक ने उस वक्त असहमति की एक छोटी अंगुली तक उठाई, जब 2003 में सद्दाम हुसैन द्वारा सामूहिक विनाश के हथियारों का उपयोग करने की आशंका जताते हुए स्पष्ट रूप से झूठी अफवाह फैलाकर, अमेरिका ने इराक पर बमबारी करने का फैसला किया था। रुको जरा, एक सेकंड - सद्दाम के पास ऐसा कुछ भी नहीं निकला। इस बीच, ठीक उसी समय जब मोदी यूक्रेन में थे, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की वाशिंगटन डीसी की यात्रा क्या महज़ इत्तेफाक है- अमेरिकियों के साथ एक-दो रक्षा समझौतों पर हस्ताक्षर करना एक अच्छी बात है। लेकिन यदि यह संयोग नहीं है,तो इससे दो अन्य निष्कर्ष निकाले जा सकते हैं। प्रथम, अमेरिका अपने फैसलों पर जताई असहमति को लेकर सहज नहीं है, भले वह किसी सहयोगी लोकतंत्र ने दिखाई हो। अवश्य ही मोदी को कीव में ज़ेलेंस्की से मिलने के लिए राज़ी करने की कोशिश में, दिल्ली और वाशिंगटन डीसी के अलावा कई अन्य पश्चिमी राजधानियों के बीच काफी बातचीत हुई होगी। दूसरा, स्पष्ट है कि यूक्रेन का मामला मोदी की अब तक की सबसे कठिन विदेश नीतिज्ञ चुनौती बनता जा रहा है। यहां, फिर से याद रखें कि यूक्रेन मुद्दे की अहमियत अमेरिकियों के लिए केवल एक बहानेभर की है। यूक्रेन के साथ खड़ा होने में कोई हर्ज नहीं है- पुतिन या बाइडेन जो कुछ भी कहें, अपनी और से चीजों की जांच करना बेहतर होगा। यदि प्रधानमंत्री मोदी 'बिल्लियों की लड़ाई' में पैंतरेबाज़ी करने में सक्षम रहे, जैसा कि उनके कई पूर्ववर्तियों ने कर दिखाया, तो वे विश्व पटल पर भारत का विशिष्ट स्थान पुनः स्थापित करने में सफल होंगे। निश्चित रूप से, दुनिया बदलाव के किसी भी स्व परिभाषित संकेत पर नज़र रखेगीदृ जैसा कि मोदी की मास्को यात्रा पर बनाए रखी। पश्चिमी जगत भारत का साथ जीतना चाहता है - अपनी धूल-मिट्टी के बावजूद, यह खांटी लोगों का देश है। इसके अतिरिक्त, बाइडेन, ऋषि सुनक, इमैनुएल मैक्रॉन, ओलाफस्कोल्ज़ और कुछ अन्य, जो सब एक ही पाले में हैं, इनके बरक्स भारत का रुख सदा अपना रहा है - राष्ट्रीय हित और उच्च नैतिकता के बीच लंबी और कठिन डगर एक चुनौती है, वह जिसके प्रति उत्तरदायित्व है। इसलिए हाल-फिलहाल, प्रधानमंत्री द्वारा कीव से वापसी की रेलगाड़ी पकड़ने के साथ, अपरिहार्य निष्कर्ष यह है कि मोदी की यूक्रेन यात्रा अपने आप में संदेश है, भारत और दुनिया, दोनों के लिए।

मालवीय समाज ने मृतक के परिजनो को दी 15 हजार रुपए की आर्थिक सहायता

माही की गूंज, शुजालपुर। अजय राज केवट

बीते 4 जुलाई को रेलवे पटरी पर अपनी बालिका को बचाने के चक्कर मे पिता की जान चली गई थी। वही घटना में शामिल बालिका को गंभीर रुप से होने पर रेफर किया गया था। जिसका इलाज जनसहयोग से हुआ था। वही इसके लिए नवचेतना सेवा समिति ने जनसहयोग से करीब 45 हजार की आर्थिक सहायता की गई थी। जिससे प्रेरित होकर शुजालपुर के मालवीय समाज के सामाजिक बंधुओ ने आर्थिक सहायता मानव सेवा समिति के माध्यम से 15 हजार रुपए की मदद परिवार को की गई। अब तक मृतक के परिजनो को 60 हजार रूपए से अधिक की मदद हो चुकी है लेकिन जामनेर ग्राम पंचायत व शासन प्रशासन द्वारा मृतक के परिजनो को जो तुरंत मिलने वाली अंत्योष्टी की राशि भी आज तक नही मिलना सिस्टम पर प्रश्न चिन्ह लगाता है। जबकि उक्त राशि को मृतक के क्रियाक्रम करने के लिए तुरंत देना का शासन का प्रावधान है।

जब किसी परिवार का मुखिया आकस्मिक मृत्यु के आघोष में समा जाता हैं तब परिवार को आर्थिक बोझ से उभारने के लिए जब कोई संस्था आगे आ जाए तो मृतक परिजनों को आर्थिक मजबूती प्रदान होती हैं। जिससे उसको इस दुखद घटना के बाद उभरने में सहूलियत हो जाती हैं। ऐसी ही एक संस्थान ने वो करके दिखाया हैं जिससे मृतक के परिजनों को आर्थिक सहयोग के साथ ही उसके बच्चो को पढ़ाई का खर्च उठाने के साथ ही दैनिक जरूरत की समाग्री लेने के लिए सहयोग किया है जिसका सभी ने सराहना की है। हम बात कर रहे है जामनेर निवासी बापूलाल मालवीय की जिनकी 4 जुलाई को शाम 4 बजे मालवा सुपरफास्ट ट्रेन से उज्जैन से आये थे और जब वह शुजालपुर स्टेशन जैसे ही पहुँचे वैसे ही प्लेटफार्म नम्बर 2 पर उन्हें उतरना था कि उनकी बालिका 16 वर्षीय सन्ध्या बीच पटरी पर उतर गई थोड़ी सी गलती का खामियाजा यह भुगतना पड़ा कि पलक झपकते ही ट्रेन पीछे से आती देख मृतक बापूलाल ने तुरंत पटरी पर कूदकर बालिका की जान बचाई लेकिन जब तक वह पटरी पर से हटते उसके पहले ही पीछे से तेज गति से आ रही हैदराबाद ट्रेन से बापूलाल को अपनी आघोष में ले लिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बालिका गम्भीर घायल हुई जिसका इलाज जनसहयोग से शाजापुर के वरदान प्रायवेट हॉस्पिटल में इलाज कराया। जिसके लिए नवचेतना सेवा समिति ने इलाज के लिए जनसहयोग राशि एकत्रित की थी ओर लगभग 45 हजार रुपये की धनराशि एकत्रित की गई थी। जिससे प्रेरित होकर शुजालपुर की मानव सेवा समिति ने मालवीय समाज के सामाजिक बंधुओ ने मृतक के परिजनो को 15 हजार रुपए की धनराशि भेट की हैं।

क्रिप्टो स्कैम ने भारत और पड़ोसी देशों में मचाया हड़कंप

माही की गूंज, रतलाम।

रतलाम पुलिस ने एक प्रमुख क्रिप्टो करेंसी फ्रॉड केस में सफलता प्राप्त करते हुए नागालैंड से आरोपी किबोतो आई को गिरफ्तार कर लिया है। एमटीएपई (मेटावर्स फॉरेन एक्सचेंज ग्रुप इंक) के इस मामले में, किबोतो के बैंक खाते में 5 करोड़ रुपए के फ्रॉड ट्रांजेक्शन दर्ज हुए थे। हालांकि, जब पुलिस ने जांच की, तो खाते में केवल 5 लाख रुपए ही पाए गए। इस राशि को फिलहाल फ्रीज कर दिया गया है।

किबोतो आई और उसके सहयोगियों ने 266 लोगों से 1.43 करोड़ रुपए की ठगी की है। यह गिरफ्तारी इस केस में 10वीं है और हर गिरफ्तारी के साथ गैंग का दायरा और जटिल होता जा रहा है। मणिपुर के दो भाइयों के नाम भी मामले में सामने आए हैं और उनकी गिरफ्तारी बाकी है। इस गैंग ने केवल भारत ही नहीं, बल्कि पाकिस्तान, बांग्लादेश और अन्य पड़ोसी देशों में भी क्रिप्टो करेंसी के नाम पर लोगों को ठगा है।

रतलाम पुलिस का नागालैंड में विरोध

किबोतो की गिरफ्तारी के लिए रतलाम पुलिस के साइबर सेल प्रभारी अमित शर्मा, इंडस्ट्रियल एरिया थाना जावरा के सब इंस्पेक्टर राकेश मेहरा, नामली थाना के हेड कॉन्स्टेबल राहुल जाट और विनोद माली नागालैंड पहुंचे।

जैसे ही पुलिस ने स्थानीय सहयोग से आरोपी को पकड़ा, स्थानीय लोगों ने इसका विरोध किया और थाने को घेर लिया।

इस विरोध को देखते हुए रतलाम एसपी राहुल कुमार लोढ़ा ने नागालैंड के कमिश्नर ऑफ पुलिस से संपर्क किया। बातचीत के बाद स्थिति को नियंत्रित किया गया और आरोपी को सुरक्षित रूप से गिरफ्तार कर रतलाम लाया जा सका।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग और कार्रवाई

इससे पहले, रतलाम पुलिस ने जापान और सिंगापुर बेस्ड कंपनियों से 44 लाख रुपए की राशि सीज करवाई और भारत वापस लाई। इस कार्रवाई से यह साफ है कि रतलाम पुलिस न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी इस फ्रॉड गैंग के खिलाफकार्रवाई कर रही है।

ठगी का तरीका

जांच के दौरान पुलिस ने पता लगाया कि दोनों मामलों में एमटीएपई (मेटावर्स फॉरेन एक्सचेंज ग्रुप इंक) ऐप के माध्यम से लोगों से पैसे निवेश करवाए गए थे। इस ऐप ने क्रिप्टोकरेंसी के जरिए 30 प्रतिशत मासिक रिटर्न का वादा किया, जिसे सुनकर लोग इस पोंजी स्कीम (फ्रॉड इन्वेस्टमेंट) के झांसे में आ गए। जालसाजों ने इस स्कीम के जरिए 1.43 करोड़ रुपए की ठगी को अंजाम दिया और फिर कंपनी को बंद कर दिया।

टीआरसी-20 वॉलेट की भूमिका

पुलिस ने एमटीएपई कंपनी के क्यूआर कोड और टीआरसी-20 वॉलेट एड्रेस को ट्रैक किया। जांच में सामने आया कि इस वॉलेट के माध्यम से बड़े पैमाने पर लेन-देन हुआ। रतलाम पुलिस की साइबर सेल ने 10 लाख 48 हजार टीआरसी-20 वॉलेट एड्रेस जुटाए, जिनसे पता चला कि भारत के अलावा श्रीलंका, बांग्लादेश, पाकिस्तान और नाइजीरिया में भी धोखाधड़ी की गई है।

अंतर्राष्ट्रीय धोखाधड़ी के संकेत

टीआरसी-20 वॉलेट से क्रिप्टोकरेंसी को कन्वर्ट करने के लिए लगभग 56 काउंटर पार्टी एक्सचेंज का उपयोग किया गया। इनमें बाइनेंस, कुकाइन, ओकेएक्स, हुओबी, बॉयबीट, यूएसडीटी-टोकन, एमईएक्स, और सनक्रिप्टो एक्सचेंज शामिल हैं। यह संकेत करता है कि धोखाधड़ी का दायरा अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर फैला हुआ है।

पुलिस की कार्रवाई और आगे की दिशा

रतलाम पुलिस इस मामले में गहराई से जांच कर रही है और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय जालसाजों की गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं। एमटीएपई स्कैम की जड़ें और भी गहराई से तलाशने के लिए पुलिस ने विभिन्न देशों के कानून प्रवर्तन एजेंसियों से भी सहयोग मांगा है। इस मामले के खुलासे से स्पष्ट है कि क्रिप्टो फ्रॉड के मामलों में सतर्कता और सावधानी रखना कितना महत्वपूर्ण है।

अस्पताल और डॉक्टर पर कार्रवाई को लेकर एसपी-कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

माही की गूंज, मंदसौर।+

जिले के लोटखेड़ी में महिला का उपचार गलत करने का मामला हाल ही में ही सामने आया था। अब एक ओर मामला सामने आया है। जिसमें ढाबला गांव के एक व्यक्ति के पेटदर्द की शिकायत लेकर पमनानी अस्पताल पहुंचे। यहां पर पथरी बताकर मरीज का ऑपरेशन कर दिया। जब मरीज की स्थिति बिगड़ी तो उसको रैफर कर दिया। ऐसे में मंगलवार को मरीज के परिजन सहित समाजजन बड़ी संख्या में कलेक्टर-एसपी कार्यालय पहुंचे। यहां पर संबंधित डॉक्टर के खिलाफकार्रवाई और 50 लाख क्षतिपूर्ति की मांग की है। विकास पोरवाल ने बताया कि, 24 जुलाई को स्टेशन रोड स्थित पमनानी अस्पताल में उसके बड़े भाई राजेश रत्नावत को दिखाने आए थे। अस्पताल में डॉक्टरों ने बताया कि मेरे भाई को पथरी है

और तुरंत ऑपरेशन का बोला। डॉक्टरों के कहने पर हमने ऑपरेशन करवा लिया। अस्पताल में 4 से 5 दिन भर्ती रखा। जब तबियत ज्यादा बिगड़ी तो राजस्थान के उदयपुर रैफर कर दिया। वहां से गुजरात के अहमदाबाद ले गए। जहां डॉक्टरों ने बताया कि पथरी के ऑपरेशन के दौरान लापरवाही से मरीज के पेट से दूसरी नस को नुकसान पहुंचा है। पीड़ित के परिजनों ने बताया कि अब तक करीब 11 लाख रुपए खर्च हो चुके है। हमने पमनानी अस्पताल के संचालक को बताया था तो उसने इलाज का खर्च देने की बात कही थी। लेकिन अब वे मुकर गए है। मामले में परिजनों ने पमनानी अस्पताल, ऑपरेशन करने वाले डॉक्टर के खिलाफकारवाई और 50 लाख क्षतिपूर्ति की मांग की है। मामले में एएसपी गौतम सौलंकी ने बताया कि, पीड़ित परिवार ने आवेदन देकर पमनानी अस्पताल के खिलाफकारवाई की मांग की है। मामले में जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके अनुसार कारवाई की जाएगी।

विसरा के 22 हजार सैम्पलों की जांच अटकी, रतलाम-रीवा में शुरू होगी लेब

माही की गूंज, रतलाम।

प्रदेश भर में विसरा के लगभग 22 हजार सैंपल जांच के लिए यहां-वहां रखे हुए हैं। अब इन सैंपलों की जांच में गति लाने के लिए सितंबर से रीवा और रतलाम में बनाई जा रही फोरेंसिक साइंस लैब प्रारंभ करने की तैयारी है।फोरेंसिक की बाकी जांचें इन लैब में एक अक्टूबर से शुरू की जाएंगी।

इसके अतिरिक्त डीएनए सैंपलों की जांच के लिए जबलपुर में नई लैब भी अक्टूबर में प्रारंभ हो जाएगी। इसे मिलाकर प्रदेश में 5 डीएनए लैब हो जाएंगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में 2 वर्ष पहले तक डीएनए के लगभग आठ हजार सैंपल जांच के लिए रखे हुए थे। लैबों की क्षमता बढ़ने के बाद अब यह आंकड़ा 4000 पर आ गया है।

लैब के लिए चल रही है भर्तियां

राज्य फोरेंसिक साइंस लैब के अधिकारियों ने बताया कि तीनों लैब में उपकरण स्थापित हो चुके हैं। जांच में उपयोग होने वाले रसायनों की

खरीदी के लिए दरें अनुबंधित करने का काम चल रहा है। रीवा और रतलाम के लिए वैज्ञानिक अधिकारी, केमिस्ट और प्रयोगशाला सहायकों की भर्ती चल रही है। इसके साथ ही प्रदेश की अन्य लैब से भी यहां अधिकारी-कर्मचारी स्थानांतरित किए जा रहे हैं।

बता दें कि, लगभग 3 वर्ष पहले प्रदेश में फोरेंसिक के 40 हजार और डीएनए के 10 हजार से अधिक सैंपलों की जांच अटकी हुई थी। इसके बाद नई लैब बनाने के साथ ही पहले से संचालित हो रही प्रयोगशालाओं की क्षमता बढ़ाने का काम शुरू किया गया था। फोरेंसिक और डीएनए सैंपलों की जांच में देरी से न्याय में देरी होती है, क्योंकि इनकी रिपोर्ट न्यायालय में प्रस्तुत करने के बाद ही मामले में निर्णय हो पाता है।

प्रतिमाह इतने सैंपलों की हो सकेगी जांच

डीएनए लैब में हर माह 200 और प्रत्येक फोरेंसिक लैब में प्रतिमाह 150 से 200 सैंपलों की जांच की जा सकेगी।

अभी सागर, भोपाल, ग्वालियर और इंदौर में फोरेंसिक लैब हैं

यहां बायोलॉजिकल, केमिकल और टॉक्सिकोलॉजिकल (जहरीली चीजों का पता लगाने के लिए) सैंपलों की जांच की जा रही है।

सर्वाधिक सैंपल टॉक्सिकोलॉजी के होते हैं। सागर में सबसे ज्यादा प्रतिमाह 800 से 1000 सैंपलों की जांच हो रही है। फोरेंसिक साइंस लैब के निदेशक शशिकांत शुक्ला ने बताया कि, रीवा और रतलाम की फोरेंसिक साइंस लैब प्रारंभ करने की तैयारी पूरी हो गई है। सितंबर से यहां बिसरा और अक्टूबर से फोरेंसिक से सभी सैंपलों की जांच होने लगेगी। जबलपुर की डीएनए लैब भी अक्टूबर से प्रारंभ हो जाएगी।

अवैध मदरसे पर कार्रवाई करने की तैयारी में बाल संरक्षण आयोग

माही की गूंज, रतलाम।

जिले में स्थित 'दारुल उलूम आयशा सिद्धीका लिलबिनात' मदरसे पर राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा 31 जुलाई को छापा मारा था, जिसमें कई गंभीर अनियमितताएं सामने आई थी। बता दें कि इस मदरसे में बच्चियों को अवैध रूप से रखा गया था, जहां जीवन-यापन की सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई जा रही थीं। छापे के दौरान आयोग ने पाया कि बच्चियों को फर्श पर सोने के लिए मजबूर किया जा रहा था। उनमें से कई बीमार थीं, जिनमें से एक 8 वर्षीय बच्ची तेज बुखार से पीड़ित थी। इन गंभीर अनियमितताओं को ध्यान में रखते हुए आयोग ने तल्ख टिप्पणियां की है। साथ ही सरकार से मदरसे पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की।

संचालक ने किया ये दावा

वहीं, मदरसा संचालक स्थानीय स्तर पर मामले को खुदबुर्द करने की कोशिश कर रहा है। प्रशासन को भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार को भेजे गए प्रतिवेदन में आयोग ने मदरसे के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की सिफारिश की है ताकि भविष्य में इस प्रकार की घटनाएं न हो सकें। संचालक अब यह दावा कर रहे हैं कि उनकी कोई गलती नहीं है और मप्र बाल संरक्षण आयोग की कार्रवाई को गलत ठहराने का प्रयास कर रहे हैं। मदरसा संचालक ने आयोग ने जांच के दौरान अनेक खामियां पाई थीं, अब शानदार कालीन बिछा दी है ताकि प्रशासन को लगे कि वहां की स्थिति बेहतर है।

पोर्टल बंद होने के कारण नहीं कर पाए आवेदन- अध्यक्ष

मदरसा संचालन समिति के अध्यक्ष मोहम्मद आसिफ का दावा है कि मदरसा बोर्ड का पोर्टल बंद होने के कारण वे मान्यता के लिए आवेदन नहीं कर पाए। उन्होंने यह भी कहा कि मदरसे की नई कमेटी छह माह पूर्व बनी है और जो कमियां सामने आती जाएंगी, उन्हें सुधारने का प्रयास किया जाएगा। हालांकि, इस मदरसे के संचालन को लेकर कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं। दस्तावेजों से पता चलता है कि छह माह पूर्व ही जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा बनाई गई एक जांच समिति ने इस मदरसे की गंभीर कमियों की ओर इशारा किया था। उस रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से लिखा गया था कि ÷मदरसे में 150 बालिकाएं हैं, जिन्हें सामान्य शिक्षा नहीं मिल पा रही है और मदरसे में कोई रिकॉर्ड या दस्तावेज उपलब्ध नहीं थे।

रतन भारती व्यायामशाला के विशाल मटकी फोड़ कार्यक्रम में श्रीराम ग्रुप ने फोड़ी मटकी

माही की गूंज, बड़नगर।

जन्माष्टमी के पावन पर्व पर रतन भारती व्यायामशाला लाल अखाड़ा बड़नगर द्वारा विशाल मटकी फोड़ कार्यक्रम मंगलवार रात्रि में स्थानीय गांधी चौक में किया जिसमें श्रीराम ग्रुप खाड़ी बावड़ी के गोविंदाओं ने मटकी फोड़ को पुरस्कार प्राप्त किया।

इस विशाल मटकी फोड़ कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व विधायक मुरली मोरवाल ने करते हुए उपस्थित जनों को जन्माष्टमी की बधाई दी साथ ही रतन भारती व्यायामशाला द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित मटकी फोड़ कार्यक्रम एवं सामूहिक झांकियों में अखाड़ा सहित संस्था द्वारा विभिन्न धार्मिक गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि संस्था द्वारा नगर में युवाओं की टीम तैयार की गई है जो विभिन्न आयोजन में भागीदारी कर नगर का नाम गौरवान्वित कर रहे हैं। इस मटकी फोड़ कार्यक्रम में श्रीराम

ग्रुप खाड़ी बावड़ी एवं मां शारदा ग्रुप मिर्ची बाजार की टीम शामिल हुई जिसमें श्रीराम ग्रुप खारी बावड़ी विजय रहने पर संस्था के दर्शन धरावनिया को पुरस्कार स्वरूप 11000 रुपये नगद राशि भेंट कर साफा बांधकर व पुष्पमाला पहनाकर स्वागत किया। मटकी फोड़ कार्यक्रम के पूर्व रतन भारती व्यायामशाला के पहलवानों ने अपनी आकर्षक कला का प्रदर्शन किया साथ ही वाल्मीकि समाज द्वारा निकाली गई छड़ी का पूजन कर अध्यक्षों का साफा बांधकर व पुष्प माला पहनाकर स्वागत पूर्व विधायक मुरली मोरवाल ने किया। इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष गजेंद्र यादव, शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रवीण बिलाला, पूर्व जिला पंचायत सदस्य मोहनलाल त्रिवेदी, सेवादल अध्यक्ष मनोहरलाल शर्मा, एडवोकेट मथुरालाल यादव, अल्पसंख्यक अध्यक्ष अखलाक शेख, युनुस पटेल, नेता प्रतिपक्ष अजहर उद्दीन, पार्षद पति अमित जाट, एड. करण राठौड़, श्रमिक प्रकोष्ठ अध्यक्ष उमाशंकर मेहता, घनश्याम साड़िवाल, पूर्व पार्षद चांद खां सहित बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मुकेश देवड़ा ने किया व आभार वनीषराज कटारिया ने माना। उक्त जानकारी पूर्व पार्षद नरेन्द्र परमार ने दी।

सभी एसडीएम एवं सीईओ जर्जर भवन व बेसमेंट के संबंध में तुरंत करवाई करें- कलेक्टर

माही की गूंज, मंदसौर।

साप्ताहिक जनसुनवाई में कलेक्टर अदिति गर्ग ने लोगों की समस्या को सुना तथा मौके पर ही निराकरण किया। जनसुनवाई में 75 आवेदन प्राप्त हुए। इस दौरान कलेक्टर ने सभी एसडीएम तथा सीएमओ को निर्देश देते हुए कहा कि जर्जर भवन को गिराने एवं बेसमेंटके संबंध में कार्यवाही तुरंत की जाए।अनुमति के बाद जिस कार्य के लिए बेसमेंट बनाया गया था, उस कार्य में उपयोग न होकर अन्य कार्यों में अगर उपयोग हो रहा है, तो तुरंत कार्यवाही करें।

उन्होंने कृषि विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि खेतों में फसलों पर उत्पन्न हो रहे कीटों के लिए सर्वे करें। किसानों को सही सलाह प्रदान करें। जूम वीसी के

माध्यम से सभी एसडीएम एवं तहसीलदारों ने आम जनों की समस्या को सुना तथा निराकरण किया।

कलेक्टर ने दिव्यांग को प्रदान की इलेक्ट्रिक ट्राइसिकल

जनसुनवाई के दौरान आवेदक विष्णु लाल जाट ने इलेक्ट्रिक ट्राइसिकल के लिए कलेक्टर अदिती गर्ग को आवेदन प्रस्तुत किया, विष्णु मंदसौर जिले के ग्राम बेटी खेड़ी तहसील सीतामऊ के रहने वाले है। चुकी विष्णु लाल के साथ-साथ परिवार में दो व्यक्ति और दिव्यांग है। इनकी बहन फूल कुवर मानसिक दिव्यांग एवं पत्नी वर्षा भी दिव्यांग हैं। विष्णु लाल स्वयं 50 प्रतिशत दिव्यांगता की श्रेणी में आते है, लेकिन विभागीय नियमानुसार 80 प्रतिशत दिव्यांगता वाले ही पात्रता की श्रेणी में आते हैं, कलेक्टर के संज्ञान में आनें पर कलेक्टर ने उप संचालक सामाजिक न्याय को मदद के लिए निर्देश दिए। साथ ही समाजसेवी एवं दान दाताओं को अपील कर उक्त आवेदनकर्ता के लिए इलेक्ट्रिक ट्राइसिकल उपलब्ध करवाने हेतु अपील की। इसके बाद दिलीप बिल्डकॉन उक्त व्यक्ति की मदद करने के लिए आगे आए तथा इलेक्ट्रिक ट्राइसिकल उपलब्ध करवाई गई। इलेक्ट्रिक ट्राइसिकल प्राप्त होने के पश्चात विष्णु लाल बहुत खुश हुए।

केंद्रीय जेल में हुआ जन्माष्टमी पर कार्यक्रम का आयोजन

माही की गूंज, बड़वानी।

केंद्रीय जेल बड़वानी में जन्माष्टमी का पर्व अत्यंत हर्षोल्लास और उत्साह के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश बड़वानी श्री महेंद्र कुमार जैन ने अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। उनके साथ सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री मानवेंद्र पवार, विशेष न्यायाधीश (अत्याचार निवारण अधिनियम) श्री रईस खान, द्वितीय व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड श्री विनय जैन, सिविल जज जूनियर डिवीजन बड़वानी श्रीमती पूजा विजयवर्गीय जैन एवं डॉ. अविनाश बर्फा सपरिवार उपस्थित थे। जेल अधीक्षक सुश्री शेफाली तिवारी द्वारा बताया गया कि केन्द्रीय जेल बड़वानी में प्रथम बार जन्माष्टमी का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर जेल में निरुद्ध कैदियों द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की झांकी का भव्य निर्माण किया गया और भक्ति गीतों, कीर्तन, और नाटक का आयोजन हुआ। कार्यक्रम का प्रारंभ सभी अतिथियों का चंदन तिलक लगाकर तथा तुलसी की माला पहनाकर किया गया। जेल के बंदियों की भजन मंडली द्वारा भगवान श्री कृष्ण के भजनों की संगीतमय प्रस्तुति दी गई। इसके पश्चात बंदियों द्वारा भजन के माध्यम से कृष्ण सुदामा प्रसंग पर नाटक प्रस्तुत किया गया। बंदियों के द्वारा ही राधा - कृष्ण , रूकमणी, सुदामा, वसुदेव, आदि पात्रों का स्वांग रचा गया। मथुरा कारागार के अंदर कृष्ण जन्म का चलित दृष्य भी प्रस्तुत किया गया। इस आयोजन की सराहना करते हुए अपनी प्रसन्नता व्यक्त की और कहा कि ऐसे कार्यक्रम कैदियों के जीवन में सकारात्मकता और आध्यात्मिकता का संचार करते हैं। समारोह का समापन आरती और प्रसाद वितरण के साथ हुआ। जेल अधीक्षक की ओर से सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन कर इस प्रकार के आयोजनों को आगे भी जारी रखने की बात कही गई। कार्यक्रम का संचालन सहायक जेल अधीक्षक श्री विनय काबरा द्वारा किया गया। इस अवसर पर जेल के अंदर संचालित उघोगों में बंदियों द्वारा निर्मित सामग्री की प्रदर्शनी भी लगाई गई। कार्यक्रम में उप अधीक्षक श्रीमती कुसुमलता डावर, सहायक जेल अधीक्षक श्री राधेश्याम वर्मा, बुनाई अनुदेशक धर्मेन्द्र मौर्य, प्रमुख मुख्य प्रहरी दिनकर पाटिल एवं समस्त स्टाफका विशेष सहयोग रहा।

एचआईवी एड्स की जागरुकता हेतु अभियान

माही की गूंज, खंडवा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण कार्यक्रम के तहत् जनसमुदाय में जागरुकता प्रसारित करने के उद्देश्य से 12 अगस्त से 12 अक्टूबर तक सघन जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है। नोडल अधिकारी डॉ. शक्ति सिंह राठौड़ ने बताया कि, अभियान के तहत् हायर सेकेण्ड्री स्कूलों एवं स्वास्थ्य केन्द्रों में ग्रामीणजनों को एकत्रित कर एड्स व इसके नियंत्रण के बारे में जानकारी दी जा रही है। एच.आई.वी. के संक्रमण फैलने के चार कारण है संक्रमित सुई अथवा सिरिंज के द्वारा, संक्रमित रक्तदान करने से, एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्ति या व्यक्तियों के साथ शारीरिक यौन संपर्क से, संक्रमित गर्भवति माता से उसके होने वाले बच्चे को होता है।

नोडल अधिकारी डॉ. राठौड़ ने बताया कि, एड्स बीमारी है जो लाइलाज है इसमें सावधानी ही उत्तम इलाज है जैसे किसी एच.आई.वी. संक्रमित व्यक्ति के साथ असुरक्षित यौन संपर्क करने से, एच.आई.वी. संक्रमित रक्त या रक्त उत्पाद चढ़ाने से, ऐसी एच.आई.वी. संक्रमित सुईयां इस्तेमाल करने से जिन्हें विसंक्रमित न किया हो, एच.आई.वी. संक्रमित गर्भवति स्त्री से उसके बच्चे को गर्भावस्था में या प्रसव के दौरान व स्तनपान से होता है। एड्स किन कारणों से नहीं होता है एच.आई.वी., एड्स संक्रमित व्यक्ति से हाथ मिलने से, एक साथ रहने से, साथ में खाना खाने से बर्तन, कपड़े, बिस्तर, शौचालय, स्वीमिंग पूल इत्यादि के सामूहिक उपयोग से, खाँसने, छींकने या हवा से, मच्छरों के काटने या घरों में पाये जाने वाले कीड़े-मकोड़े के काटने से एच.आई.वी. संक्रमण नहीं होता है।

नोडल अधिकारी डॉ. राठौड़ ने बताया कि, एच.आई.वी. जांच जिला अस्पताल में निःशुल्क होती है साथ ही परामर्श एवं जांच के लिये आई.सी.टी.सी. केन्द्र संचालित है। जांच की रिपोर्ट गोपनीय रखी जाती है। नवजात शिशुओं में एचआईवी संक्रमण की रोकथाम के लिये सभी गर्भवती महिलाओं की गर्भावस्था के प्रथम तीन माह में जांच कराया जाना आवष्यक है। ग्रामीणक्षेत्रों में एड्स काउंसलर जितेन्द्र प्रजापति सी.एच.ओ. एवं ए.एन.एम. द्वारा जनसमुदाय को जानकारी देकर जागरुक किया जा रहा है।

24 घण्टे में सर्वाधिक वर्षा हुई

माही की गूंज, बड़वानी।

पिछले 24 घण्टों में सर्वाधिक 20.6 मिलीमीटर वर्षा निवाली में दर्ज हुई है। इस दौरान जिले में औसत रूप से 8.8 मिलीमीटर वर्षा हुई है। विगत 24 घण्टे के दौरान जिले के 10 वर्षामापी केन्द्रों में से बड़वानी में 0.0 मिलीमीटर, पाटी में 2.0 मिलीमीटर, अंजड में 3.1 मिलीमीटर, ठीकरी में 10.0 मिलीमीटर, राजपुर में 18.0 मिलीमीटर, सेंधवा में 9.0 मिलीमीटर, चाचरियापाटी में 4.0 मिलीमीटर, वरला में 7.0 मिलीमीटर, पानसेमल में 13.8 मिलीमीटर, निवाली में 20.6 मिलीमीटर वर्षा हुई है। भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार आज दिनांक तक बड़वानी में 458.9 मिलीमीटर, पाटी में 465.7 मिलीमीटर, अंजड़ में 490.8 मिलीमीटर, ठीकरी में 505.9 मिलीमीटर, राजपुर 470.0 मिलीमीटर, सेंधवा 714.0 मिलीमीटर, चाचरियापाटी में 898.0 मिलीमीटर, वरला में 679.7 मिलीमीटर, पानसेमल में 760.0 मिलीमीटर तथा निवाली में 1035.0 मिलीमीटर वर्षा हो चुकी है। जिले की औसत वर्षा आज दिनांक तक 647.9 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। जबकि गत वर्ष आज के ही दिनांक तक बड़वानी में 367.5 मिलीमीटर, पाटी में 195.9 मिलीमीटर, अंजड़ में 339.9 मिलीमीटर, ठीकरी में 494.6 मिलीमीटर, राजपुर में 332.6 मिलीमीटर, सेंधवा में 371.0 मिलीमीटर, चाचरियापाटी में 551.0 मिलीमीटर, वरला में 520.4 मिलीमीटर, पानसेमल में 368.8 मिलीमीटर एवं निवाली में 474.6 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई थी। गत वर्ष आज दिनांक तक जिले में 401.6 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज हुई थी।

आयोजित होगा रोजगार मेला

माही की गूंज, खंडवा।

जिला रोजगार अधिकारी लक्ष्मण सिंह सिलौटे ने बताया कि, 30 अगस्त को रोजगार अवसर मेला का आयोजन स्थान जिला पंचायत परिसर जिला रोजगार कार्यालय खण्डवा में सुबह 11 बजे से 4 बजे तक किया जा रहा है। जिसमें प्रदेश की विभिन्न कम्पनियों के द्वारा तकनीकि एवं गैर तकनीकि क्षेत्र में लगभग 300 बेरोजगार युवक एवं युवतियों की निजि क्षेत्र में भर्ती की जावेगी। शैक्षणिक योग्यता 5वीं, 8वीं, 10वीं, 12वीं, आईटीआई डिप्लोमा सभी ट्रेड में, स्नातक एवं स्नाकोत्तर आदि। आयु सीमा 18 वर्ष से 35 वर्ष तक, वेतनमान 7 हजार से 15 हजार रूपये दिया जावेगा, एवं अन्य सुविधा कम्पनियों के नियमानुसार रहेगी। इच्छुक आवेदक अपने समस्त मूल दस्तावेज की फोटोकॉपी, 4 पासपोर्ट साइज फोटों, आधार कार्ड, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन कार्ड, के साथ उपस्थित होकर मेले का लाभ उठायें एवं इस हेतु मार्ग व्यय देय नहीं होगा।

मुख्यमंत्री ने 6 औद्योगिक इकाइयों का वर्चुअली भूमिपूजन किया

माही की गूंज, धार।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज ग्वालियर में आयोजित रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के दौरान पीथमपुर में छह नई औद्योगिक इकाइयों का वर्चुअली भूमिपूजन किया। इस समारोह का लाइव प्रसारण औद्योगिक क्षेत्र स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क के कॉन्फ्रेंस हॉल में किया गया।

इस अवसर पर विधायक नीना वर्मा, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा और विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। विधायक वर्मा ने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए पीथमपुर आने का निमंत्रण दिया और इन नई इकाइयों के शुरू होने पर स्थानीय रोजगार के अवसरों की सराहना की। नई औद्योगिक इकाइयों से लगभग एक हजार लोगों को रोजगार मिलने की संभावना है। स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क धार में पंचशील ऑर्गेनिक्स लिमिटेड द्वारा 100 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा, जिससे 250 लोगों को रोजगार मिलेगा। उज्जैनी, धार में सत्वाहार उद्योग प्रालि 1.5 करोड़ रुपये के निवेश से 10 लोगों को रोजगार देगा। सेज धार में जैन इंजीनियरिंग 15 करोड़ रुपये के निवेश से 50 लोगों को रोजगार प्रदान करेगा। जेतपुरा में ओके फर्म प्रिसीजन कास्टिंग्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 20 करोड़ रुपये का निवेश कर 150 लोगों को रोजगार मिलेगा। इसके अतिरिक्त, स्मार्ट इंडस्ट्रियल पार्क धार में जीनो फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा 120 करोड़ रुपये के निवेश से 250 लोगों को रोजगार मिलेगा। इन पहलुओं से क्षेत्रीय विकास और रोजगार सृजन की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान की उम्मीद है।

कर्मचारियों को मतदान सुविधा प्रदान करने के निर्देश

माही की गूंज, धार।

त्रि-स्तरीय पंचायतों के उप निर्वाचन 2024 के लिए मतदान की तिथि 11 सितंबर निर्धारित की गई है। इस अवसर पर निर्वाचन आयोग ने दुकानों, प्रतिष्ठानों और संस्थानों में कार्यरत कर्मचारियों को मतदान करने के लिए समुचित सुविधा प्रदान करने के निर्देश जारी किए हैं। श्रम पदाधिकारी ने जानकारी दी कि धार जिले में त्रि-पंचायत उप निर्वाचन के तहत जनपद पंचायत सरदारपुर की ग्राम पंचायत भाटीयाबर्डी में सरपंच पद के लिए तथा जनपद पंचायत धार, नालछा, तिरला, सरदारपुर, बदनावर, मनावर, गंधवानी, उमरबन, धरमपुरी, कुक्षी और निसरपुर के संबंधित क्षेत्रों में पंच पद के लिए निर्वाचन होगा।

आयोग के निर्देशानुसार, मतदान दिवस पर दुकानों, उद्योगों, कारखानों और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों में कार्यरत कर्मचारियों को मतदान का समुचित अवसर प्रदान करने के लिए साप्ताहिक अवकाश घोषित किया जाना आवश्यक है। यह अवकाश नियमित साप्ताहिक अवकाश के रूप में माना जा सकता है। मध्यप्रदेश दुकान एवं संस्थान अधिनियम के तहत निर्धारित छुट्टियों की बजाय मतदान के दिन विशेष छुट्टी देने की व्यवस्था की जानी चाहिए, ताकि कर्मचारियों को अपने मताधिकार का प्रयोग करने का पूरा अवसर मिल सके।

यह निर्देश सुनिश्चित करेंगे कि मतदान के दिन सभी मतदाता अपनी सहभागिता सुनिश्चित कर सकें और लोकतंत्र की इस महत्वपूर्ण प्रक्रिया में सक्रिय भागीदारी निभा सकें।

विद्यार्थी ज्ञान से सँवारे अपना व्यक्तित्व

माही की गूंज, बड़वानी।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफएक्सीलेंस शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बड़वानी के स्वामी विवेकानन्द करियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा प्राचार्य डॉ. वीणा सत्य के मार्गदर्शन में संचालित की जा रही अल्पावधि रोजगारोन्मुखी व्यक्तित्व विकास कार्यशाला में 'ज्ञान और व्यक्तित्व' विषय पर प्रशिक्षण दिया गया। पुस्तकालय विशेषज्ञ प्रीति गुलवानिया ने बताया कि युवाओं के व्यक्तित्व को संवारने का सबसे अच्छा माध्यम ज्ञान है। आपको अपने निर्धारित विषयों के साथ ही गणित, रीजनिंग, करंट इवेंट्स, देश और दुनिया के महत्वपूर्ण मुद्दों, सामान्य ज्ञान आदि की भी अच्छी जानकारी एकत्र करना चाहिए। करियर काउंसलर और व्यक्तित्व विकास के प्रशिक्षक डॉ. मधुसूदन चौबे ने कहा कि आपको सम्प्रेषण का भी अच्छा ज्ञान होना चाहिए। अपनी बात ठीक से कहते और लिखते आ जाने पर सफलता की संभावनाएं बढ़ जाती है। डॉ. चौबे ने कार्यकर्ताओं और प्रशिक्षुओं के साथ कार्यशाला में संवाद करके कम्युनिकेशन स्किल को उदाहरण सहित समझाया। सहयोग राहुल भंडोले, कन्हैयालाल फूलमाली और वर्षा मुजाल्दे ने किया।

छात्राओं ने औद्योगिक क्षेत्र का किया भ्रमण

माही की गूंज, धार।

शासकीय कन्या महाविद्यालय धार की छात्राओं के दल द्वारा भारतीय मानक ब्यूरो के तत्वाधान में बुधवार को इंडस्ट्रियल एक्स्पोज़र विजिट लकी एंटरप्राइजेज डेहरी सराय का भ्रमण किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ सुशील फड़के ने छात्राओं को उद्यमिता के महत्व को समझाया एवं यह भी बताया कि एक सफल उद्यमी किस तरह बन जाते है। इंडस्ट्रियल विजिट के दौरान प्लांट सुपरवाइजर कुलदीप तंवर ने उनके प्लांट की संपूर्ण कार्य विधि को विस्तार से समझाया। उन्होंने बताया कि किस तरह ब्लो मिशन के द्वारा बोतल का निर्माण किया जाता है एवं उन्होंने फिल्टर मशीन आरो मशीन एवं फिलिंग मशीन की प्रक्रिया के लिए विस्तार से समझाया। साथ ही प्रिंटर मशीन, लेवल मशीन एवं श्रिंक मशीन के द्वारा किस तरह कार्य किया जाता है यह भी बताया। इंडस्ट्रियल विजिट का संचालन एवं संयोजन भारतीय मानव ब्यूरो के प्रतिनिधि आर एस टी सुनील दोराया एंव कन्या महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक सचिन राठौड़ के द्वारा किया गया । बीआईएस के प्रतिनिध के रूप में अजय चौधरी उपस्थित रहें । महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डॉ सीमा परमार का इस इंडस्ट्रियल विजिट में विशेष योगदान रहा ।

फरार आरोपियों पर किया इनाम घोषित

माही की गूंज, खंडवा।

पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय द्वारा थाना कोतवाली के अपराध क्रमांक 73/22 में फरार आरोपी मनोहर मालवीय पिता मांगीलाल निवासी ग्राम रूपखेड़ा तहसील आष्टा जिला सीहोर पर 5 हजार रूपये का इनाम घोषित किया गया है। इसके अलावा अपराध क्रमांक 459/2024 में फरार आरोपी अभिषेक पिता महेश विश्नोई निवासी जालवा जिला हरदा, अपराध क्रमांक 506/2024 में फरार आरोपी सोनू पिता मोहनलाल निवासी हरदा, अपराध क्रमांक 496/2024 में फरार आरोपी बंटी पिता अशोक निवासी भगवानपुरा तरूण पिता कैलाश मालवीय निवासी साईलिया खेड़ी एवं अपराध क्रमांक 353/2024 में फरार अज्ञात आरोपियों पर 10-10 हजार रूपये का इनाम घोषित किया गया। इसी तरह थाना जावर के अपराध क्रमांक 194/2024 एवं थाना छैगांवमाखन के अपराध क्रमांक 303/2024 में फरार अज्ञात आरोपियों पर 3-3 हजार रूपये का इनाम घोषित किया गया। पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार राय ने बताया कि, जो भी व्यक्ति इन फरार आरोपियों को गिरफ्तार कराने में मदद करेगा या इन्हें गिरफ्तार कराने के लिए जरूरी सूचना देगा उसे यह पुरूस्कार दिया जायेगा। सूचना देने वाले व्यक्ति का नाम पूर्णतः गोपनीय रखा जायेगा। इनाम के संबंध में अंतिम निर्णय पुलिस अधीक्षक खण्डवा का होगा।

अभियंताओं की कार्यशाला सम्पन्न

माही की गूंज, धार।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के अभियंताओं की कार्यशाला जिला पंचायत धार के सभाकक्ष में बुधवार को मुख्य अभियंता ग्रामीण यांत्रिकी सेवा परिक्षेत्र इन्दौर के.सी. बुधवार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। कार्यशाला का प्रारम्भ मुख्य अतिथि मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सविता झनिया के द्वारा दीप प्रज्जवलित कर किया गया। कार्यशाला में अधिकारियों के माध्यम से राज्य शासन के तकनीकी दिशा निर्देश तथा प्रयोगषाला से संबंधित प्रशिक्षण दिया गया। कार्यशाला में ग्रामीण यांत्रिकी सेवा के अधीक्षण यंत्री इन्दौर एस.के. सोलंकी, कार्यपालन यंत्री धार सोहन सिंह झणिया, कार्यपालन यंत्री मनावर महेन्द्र सिंह सोलंकी तथा समस्त अनुविभागीय अधिकारी, सहायक यंत्री एवं उपयंत्री उपस्थित थे।

आई.आई.टी. दिल्ली के सहयोग से सर्टिफिकेट कोर्स प्रारंभ हुए

माही की गूंज, खंडवा।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस श्री नीलकंठेश्वर शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय खंडवा में आई.आई.टी. दिल्ली के सहयोग से दो नवीन सर्टिफिकेट कोर्स आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस तथा फिनटेक विथ आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस प्रारंभ किये गए है। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. गणेश प्रसाद दावरे ने बताया कि यह कोर्स आज के प्रौद्योगिकी के युग की आवश्यकता है एवं विद्यार्थियों को भविष्य के लिये तैयार करने में बहुत ही कारगर सिद्ध होंगे। प्रत्येक सर्टिफिकेट कोर्स हेतु महाविद्यालय में 8-8 सीट उपलब्ध रहेगी। दोनों सर्टिफिकेट कोर्स पूर्ण रूप से निःशुल्क रहेंगे, केवल चयनित विद्यार्थियों से राशि 1 हजार रुपए सुरक्षा निधि के रूप में ऑनलाइन लिये जाएंगे, जिसे पाठ्यक्रम पूर्ण होने पर वापस किया जाएगा। नोडल अधिकारी ने बताया कि यह दोनों सर्टिफिकेट कोर्स 90 घंटे की अवधि के होंगे एवं प्रवेश चयन प्रक्रिया परीक्षा के आधार पर किया जायेगा। प्रवेश चयन प्रक्रिया के मापदंड विभाग द्वारा तैयार किए जाएंगे एवं चयन उपरांत विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से पंजीयन की कार्यवाही पूर्ण की जाएगी। परीक्षा का आयोजन महाविद्यालय में ही किया जावेगा एवं परीक्षा संबंधित मूल्यांकन महाविद्यालय स्तर पर ही होगा, इसके बाद मेरिट सूची का प्रकाशन महाविद्यालय द्वारा किया जाएगा। सर्टिफिकेट कोर्स के संचालन के बारे में अधिक जानकारी के लिए विद्यार्थी महाविद्यालय नोडल अधिकारी डॉ. अर्पणा अग्रवाल, सहायक प्राध्यापक, भौतिकी विभाग से संपर्क कर सकते हैं।

41 वां उर्स का समापन हुआ

माही की गूंज, जोबट।

हज़रत क़िब्ला सेय्यद मेहमुदुल हसन बादशाह मियां बादशाह मियां का 41 वा उर्स सोमवार कुल की फ़तेहा व लौंग की महफ़िल के बाद उर्स का समापन हुआ जिसका शनिवार को कुरान ख्वानी व संदल चादर शरीफ़से आगाज़ हुआ था। सोमवार को कुरआन ख्वानी, दसे हदीस शरीफ़ ज़िंक दुआं व शजरा ख्वानी हुई मंगलवार सुबह मजार शरीफपर कुल की फ़तेहा के बाद रंग का कार्यक्रम हुआ। जिसमें शहर काजी सय्यद मोहम्मद हसन मम्मामिया, सेय्यद आमिरूल हसन, तनविरूल हसन, अबिरूल अबूजी हसन, अनवारूल हसन, सय्यद वाहिद हसन, सेय्यद अलिमुदीन, सय्यद शाहनी हसन, सय्यद उनेश हसन मंच पर फुल मालाओं के साथ कमेंटी के द्वारा इस्तकबाल किया गया। जिसमें रंग की महफ़िल में जबलपुर से आये कव्वाल हलीम ताज ने कलाम पैश किए। साथ ही जोबट के मसहुर कव्वाली आसीफतोरीफकव्वाली पार्टी ने बादशाह मियां की शान में कलाम पैश कर रंग भी पढ़ा गया जिससे बादशाह मियां के दिवाने झुम उठें। तीन दिवसीय उर्स में खासकर जबलपुर बड़ी तादाद में लोगों ने शिरकत की।

क्षेत्र में मूसलाधार बारिश तेज हवाओं से पेड़ गिरा पुराने कुएं की दीवार धंस गई

माही की गूंज, आम्बुआ।

क्षेत्र में विगत 36घंटे से भी अधिक समय से बारिश का सिलसिला जारी है तेज हवा से जोबट तिराहे के पास स्थित जमीन पर खड़ा विशाल पेड़ जमीन पर आ गिरा, कब्रिस्तान के पास एक पेड़ जमीन पर गिरा, स्टेट समय का पुराने कुएं की दीवार धंसी गई।

आम्बुआ तथा आस-पास के क्षेत्र में वर्षा की कमी के कारण फसलों की हालत खस्ता हाल हो रही थी,किसान रात-दिन भगवान से बारिश की प्रार्थना कर रहे थे। शायद ईश्वर ने उनकी पुकार सुनी तथा विगत 36घंटे से भी अधिक समय से लगातार तेज बारिश से क्षेत्र तरबत हो रहा है, साथ ही तेज हवा भी चल रही है। हवा के कारण आम्बुआ-जोबट तिराहे पर खड़ा एक विशाल पेड़ जमीन पर गिर पड़ा जिस कारण आस-पास की दुकानों को नुक्सान पहुंचा। इधर पुराने बस स्टैंड के समीप स्थित स्टेट समय के कुएं की दीवार धंस जाने से निर्माणाधीन नाली में मलवा? गिर जाने के कारण आस-पास के घरों को हानि की संभावना बढ़ गई है। समीप रहने वाले राकेश खंडेलवाल ने बताया कि, यह पुराना कुआं है, जो कि प्रशासन की उदासीनता का खामियाजा भुगत रहा है। इसी क्षेत्र के निवासी अमान पठान ने बताया कि, जब झाबुआ जिला था तब वहां से पीएच ई विभाग यहां आकर इस कुएं से क्षेत्र का जल स्तर की स्थिति की नाप किया करते थे। गूंज संवाददाता ने बताया कि, इस मामले में उन्होंने कितनी बार समाचार प्रकाशित कराए, साथ ही कुछ महीने पूर्व जब जल संरक्षण हेतु कुओं, बावड़ियों की सफाई का अभियान चलाया जा रहा था तब जिलाधीश आलीराजपुर को भी इस कुएं की जानकारी दी गई थी, मगर समय कम होने के कारण तथा कार्य बड़ा होने के कारण इसका जीर्णोद्धार नहीं हो सका तथा अगले साल कार्य होने की संभावना व्यक्त की गई है। इस बारिश से जनजीवन प्रभावित हुआ है तेज हवा के कारण खेतों में खड़ी मक्का आदि फसलें खेतों में ही बिछ गई जिससे उनके नुक्सान की संभावना जताई जा रही है। पहले किसान वर्षा नहीं होने से परेशान थे और अब वे अतिवृष्टि से परेशान हो रहें हैं। किसानो की मांग है कि, क्षेत्र का सर्वे कराया जा कर उचित मुआवजा दिया जाए, जानकारों के अनुसार मौसम की स्थिति को देखते हुए अभी कुछ दिन यही स्थिति रह सकती है।

इंगोरिया में हत्या, युवक का गला काटकर सड़क पर फेंकी लाश

माही की गूंज, बड़नगर। विजय सोलंकी

इंगोरिया थाना क्षेत्र स्थित उन्हेल-नागदा बायपास पर पुलिस को एक युवक की लाश मिली। किसी ने उसकी गर्दन काटकर धड़ से अलग कर दी और शव को सडक़ पर फेंक दिया। पुलिस ने शव बरामद कर कपड़ों में मिले दस्तावेजों के आधार पर पहचान कर परिजन को सूचना दी। शव का पंचनामा बनाकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया। पुलिस ने आशंका जताई है कि संभवत पुरानी रंजिश को लेकर किसी ने योजनाबद्ध तरीके से हत्या की वारदात को अंजाम दिया है।

एसडीओपी एमएस परमार ने बताया मृतक की पहचान गट्टू सिंह पिता इंदरसिंह राजपूत के रूप में उसके परिजनों द्वारा की गई है। परिजनों के मुताबिक रविवार को वह खरसौदकलां गांव में तेरहवी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गया था।

सोमवार को कार्यक्रम होने वाला था लेकिन करीबी रिश्तेदारी होने से वह एक दिन पहले पहुंच गया था। रिश्तेदारी में होने वाले तेरहवी के जिस कार्यक्रम में शामिल होने के लिए वो घर से एक दिन पहले गया था उसके पहले ही हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार सुबह करीब 7 बजे सडक़ पर शव पड़े होने की सूचना मिली। पुलिस को लगा कि एक्सीडेंट हो गया होगा लेकिन शव के आसपास कोई अन्य वाहन नहीं मिला। शव को देखने के बाद पता चला कि उसकी गर्दन काटकर धड़ से अलग कर दी गई है। शरीर पर और भी चोंट के निशान दिख रहे थे। इसके बाद पुलिस ने उसके जेब की तलाश ली जिसमें मिले कागजातों के आधार पर उसकी पहचान इंगोरिया के ग्राम सुनेरा निवासी गट्टूसिंह के रूप में हुई। पुलिस ने परिजनों को शिनाख्त के लिए बुलाया। परिजनों ने उसकी पहचान की और बताया कि वह एक दिन पहले खरसौदकलां में रहने वाले रिश्तेदारों के यहां तेरहवी के कार्यक्रम में शामिल होने के लिए गया था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। फेरेंसिक एक्सपर्ट भी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। पुलिस को अंदेशा है कि जिस कार्यक्रम में वह शामिल होने गया था वहीं किसी से विवाद के चलते उसकी हत्या की गई है। आरोपियों ने हत्या करने के बाद उसका शव लाकर सडक़ पर फेंक दिया। पुलिस ने कार्यक्रम स्थल से लेकर जहां शव मिला उस स्थान तक के सीसीटीवी फुटेज निकलवाएं हैं। इसी आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ेगी।

अधिक बारिश से नदी नालों तथा तालाबों में जल स्तर बढ़ा

ट्यूबवेल तथा हैंडपंप बगैर मोटर तथा हैंडिल-चलाए उगल रहे हैं पानी

माही की गूंज, आम्बुआ।

क्षेत्र में विगत एक हफ्ते से भी अधिक समय से लगातार तेज वर्षा से खेत तालाब बने तथा तालाब सागर की तरह दिखाई दे रहे हैं हैंडपंप तथा ट्यूबवैल अनवरत पानी उगल रहे हैं। आम्बुआ तथा आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों में विगत एक हफ्ते से भी अधिक समय से लगातार तेज बारिश हो रही है, जिससे जनजीवन अस्त व्यस्त हो रहा है। पिछले वर्ष भी भादों माह में अधिक बारिश हुई थी तथा इस वर्ष भी भादों माह में अधिक बारिश होने से किसानों को भारी नुक्सान की आशंका बढ़ रही है। अधिक वर्षा से खेत तालाब नजर आ रहे हैं खेतों से पानी झिरी के रूप में बह रहा है। स्थित यह है कि क्षेत्र में ट्यूबवैल तथा हैंडपंप से बगैर प्रयास के अनवरत पानी निकल रहा है। खेतों में खड़ी फसलें तेज हवा के कारण खेतों में आड़ी पड़ गई है जिससे फसलें खराब होने की आशंका जताई जा रही है।

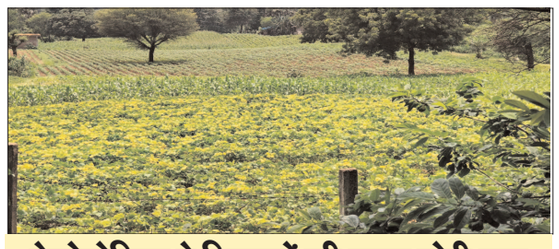

ऐलोमोजिक ने किसानों की कमर तोड़ी उड़द फसल हर साल हो रही खराब

माही की गूंज, आम्बुआ।

क्षेत्र के किसानों की प्रमुख आर्थिक फसलों में उड़द फसल ही है,जो कि विगत कुछ वर्षों से पीलिया यानि कि ऐलोमोजिक नामक बीमारी से खराब हो रही है जिस कारण कृषकों का इस फसल से मोह भंगा होता जा रहा है। गूंज संवाददाता को आम्बुआ तथा ग्रामीण क्षेत्रों के कृषकों ने बताया कि उनके पूर्वज उड़द की फसल बोते थे। यह हमारे लिए नगद आर्थिक फसलों में से एक है। आलीराजपुर क्षेत्र की उड़द दाल के लिए मशहूर है। यहां की उड़द स्वादिष्ट तथा पोष्टिक मानी जाती है जिस कारण इसकी मांग अधिक रहती है। खरीफकी प्रमुख फसल होने से किसानों की विशेष रूचि रहती आई है। विगत वर्षों से यह फसल पीलिया नामक बीमारी के कारण हानि उठाने को मजबूर किसानों ने उड़द फसल की बुआई कम कर दी, अभी तक इसका कोई इलाज नहीं मिल पा रहा है।

क्षेत्र में हो रही मूसलाधार बारिश के कारण जन्माष्टमी महोत्सव फीका पड़ा

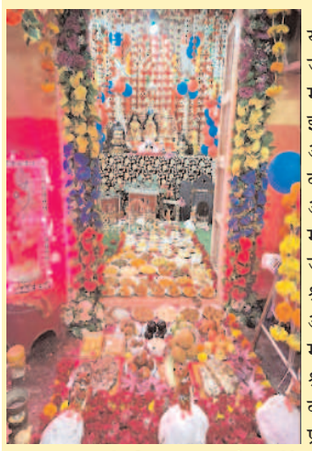

माही की गूंज, आम्बुआ। यशोदानंदन भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव क्षेत्र में धूम-धाम से मनाए जाने की परंपरा रही है। मगर इस बार बारिश के कारण आयोजनों में व्यावधान पड़ा जिस कारण माखन मटकी कार्यक्रम एक औपचारिकता बन कर रह गया। मंदिर में आकर्षक श्रृंगार किया जाकर महाआरती की गई। भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव भादृपक्ष की अष्टमी को मध्यरात्रि के समय मनाया जाता है। आम्बुआ स्थित श्रीराम मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण का आकर्षक श्रृंगार किया गया। प्रभु को नवीन वस्त्र धारण कराया जा कर माखन मिश्री तथा छप्पन भोग अर्पित किए गए, रात्रि 12 बजे जन्मोत्सव मनाया गया तथा पुजारी शंकरलाल पारिख द्वारा महाआरती की गई। उपस्थित भक्तों ने भजनों की प्रस्तुति दी तथा महिला मंडल द्वारा सुंदर बधाई गीत गाए गए इसके बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया। इधर बस स्टैंड पर युवाओं द्वारा माखन मटकी फोड़ कार्यक्रम रखा गया तथा बारिश के बीच औपचारिकता का निर्वहन करते हुए मटकी फोड़ कार्य क्रम संपन्न हुआ। भारी बारिश के कारण संपूर्ण कार्यक्रम एक औपचारिकता बन कर रह गया।

शाही ठाट बांट के साथ बरसते पानी में धुमधाम के साथ नगर भ्रमण पर निकले भगवान राजराजेश्वर महादेव

बड़ी संख्या में दर्शकों ने निहारा झांकियों को कलाकारों ने दिखाये हैरतंगैज कारनामें

माही की गूंज, अमझेरा। विक्रमसिंह राठौर

जब भक्तों की श्रद्धा परवान चढ़ती है तो उनकी भक्ति और आस्था के आगे फिर चाहे कितनी की बाधाए और रूकावट आ जाए लेकिन वे अपने कार्य पर अडीग रहते है। यहाँ परंपरानुसार भादौ मास के प्रथम सोमवार को भगवान राजराजेश्वर महादेव की शाही सवारी निकाली जाती है तथा इस सोमवार को भी शाही सवारी निकाली जाना तय थी। लेकिन रविवार रात्रि से लगातार जोरदार बारीश का क्रम शुरू हो गया जो सोमवार को भी जारी रहा। जिससे आयोजन समिति को परेशानी का सामना करना पड़ा। लेकिन भक्तो की श्रद्धा और भक्ति आगे बारीश भी उनके उत्साह की कम नही कर सही उनके कदमों को नहीं रोक सकी और बरसते पानी में भी बाबा राजराजेश्वर महादेव अपने शाही अंदाज में बैंड-बाजो और ढोल-ढमाके के साथ ऊँट-घोड़ो के साथ सुसज्जित पालकी में प्रजा का हाल जानने और भक्तों को दर्शन देने के लिए नगर भ्रमण पर निकले। जब भगवान राजराजेश्वर महादेव प्रजा का हाल जानने के लिए निकले तो लोगो ने भी अपनी आस्था को प्रकट करते हुए हर-हर महादेव के जयकारे लगाते हुए बडी संख्या में रास्तेभर साथ पालकी के साथ चले एवं उनके स्वागत में पलकपावड़े बिछा दिये। शाही सवारी के साथ विश्व हिन्दु परिषद बजरंग दल की

तिरूपति बालाजी की झांकी एवं दुर्गावाहिनी की बहने अपने हाथों भगवा ध्वज लिये आगे -आगे चल रही थी। जिसमें बहनों के द्वारा आई गिरी नंदिनी महिषासुरमर्दिनी भक्ति गीत पर रास्ते भर नृत्य की प्रस्तुती दी गई झांकी के साथ वर्देश्वर महादेव ने भी भक्तों को अपने सोम्य रूप में दर्शन दिये। इसके साथ ही शीव-पार्वती एवं कालिका माता के स्वरूप में कलाकारों के द्वारा नृत्य के साथ ही अघोरीयों के द्वारा हैरतंगैज प्रस्तुती दी गई एवं राधा कृष्ण बने कलाकारों के द्वारा भी सुंदर नृत्य की प्रस्तुती दी गई। क्षत्रिय कुशवाह समाज के द्वारा बाबा बर्फानी की एवं पिपलेश्वर महादेव समिति, कुन्दनपुर क्रिकेट क्लब के द्वारा भोलेनाथ की व सिंगार रूप के द्वारा नंदी पर भगवान भोलेनाथ की सुंदर झांकीयाँ निकाली गई। शाही सवारी के राजराजेश्वर महादेव मंदिर से रामायण की आरती के पश्चात प्रारंभ हुई जो अंबिकालय पहुंची जहाँ पुजा-अर्चना कर शिव और शक्ति का मिलन हुआ। सवारी के सबसे आगे उज्जैन के कलाकारों के द्वारा तोप चलाई जा रही थी वहीं सुसज्जित ऊंट-घोड़े पर सवार युवक केसरिया पताका लेकर चल रहे थे। बाबा की पालकी के आगे-आगे दशनाम गोस्वामी समाज के वरिष्ठजन पवित्र छड़ी लेकर चल रहे थे वहीं पालकी के पीछे रंग-बिरंगे कागज के फुल बरसाती हुई तोप चल रही थी। शाही सवाारी माता अमका-झमका तीर्थ से प्रारंभ होकर अंबेडकर चौराहा अंबिका मार्ग, नरसिंह मार्ग, चारभुजानाथ होते हुए श्रीराम चौक पहुंची जहाँ गंगेश्वर महादेव का राजराजेष्वर महादेव से मिलन कराया गया एवं उनकी आरती उतारी गई। मुस्लिम समाज, बोहरा समाज, ग्राम पंचायत अमझेरा सहीत रास्ते भर नगरजनों व समाजसेवीयों के द्वारा शाही सवार की जोरदार स्वागत किया तथा दुध, केले, लस्सी, फरियाली खिचडी का प्रसादी के रूप में वितरण किया गया। अमझेरा पुलिस प्रषासन के द्वारा यातायात के साथ सुरक्षा व्यवस्था को संभाला गया। शाही सवारी के दौरान आयोजन समिति की ओर प्रसादी वितरण के साथ ही कलाकारों का सम्मान किया गया।

घर उजड़ा, तो अजगरों ने किया बस्तियों का रुख...

माही की गूंज, धार।

धार जिले का ग्रामीण क्षेत्र इन दिनों अजीब दहशत से जूझ रहा है। यह डर इसलिए, क्योंकि यहां के गांवों में घरों से अक्सर अजगर निकल रहे हैं। हैरत की बात यह कि ऐसा एक-दो गांवों में नहीं, बल्कि 45 गांवों में हुआ है। तीन माह में जिले में 64 अजगर घरों और खलिहानों से पकड़े गए हैं। कुक्षी तहसील के गांवों के आसपास का डूब क्षेत्र में दहशत की यह कहानी गुजरात में नर्मदा नदी पर बने सरदार सरोवर बांध के बैक वाटर में निहित है। दरअसल, धार जिले की कुक्षी तहसील के गांवों के आसपास का क्षेत्र नर्मदा नदी पर बने सरदार सरोवर बांध के डूब क्षेत्र में आता है। साल 2017 में बांध के गेट लगने के बाद इस इलाके में नर्मदा का जलस्तर 138 मीटर तक भरता है।

अब गांवों की ओर रुख-जून-जुलाई में नदी का बैक वाटर भरने के बाद जब जंगली इलाका डूबा, तो यहां रहने वाले अजगरों ने अपना ठिकाना बदला और गांवों का रुख कर लिया। अब ये घरों, खलिहानों को अपना ठिकाना बना रहे हैं। गत दिनों गांव पलासी में अजगर ने दो पक्षियों को शिकार बनाया था।

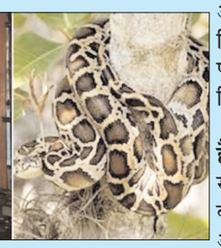

बैक वाटर भरने पर आ जाते हैं बाहर-कुक्षी और डही तहसील के सरदार सरोवर बांध के बैक वाटर से बाहर के 45 गांवों में अभी तक अजगर पकड़े जा चुके हैं। सरदार सरोवर बांध का बैक वाटर मार्च और अप्रैल माह में 116 से 120 मीटर के लगभग रहता है। इस दौरान नर्मदा का जलस्तर काफी नीचे रहता है और मादा अजगर अप्रैल से जून में अंडे देती हैं। यह समय बैक वाटर नर्मदा किनारे रहता है। इसके बाद जैसे ही बैक वाटर भरता है, वैसे ही अजगर के बच्चे और नर-मादा आगे की और रुख कर बस्ती में आ जाते हैं।फोटो 1 क्र 218

5 लीटर जहरीली शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, बड़नगर।

जिला उज्जैन पुलिस अधीक्षक प्रदीप शर्मा के निर्देशानुसार जिले मे अवैध शराब के संबंध मे चलाये जा रहे विशेष अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नितेश भार्गव, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बडनगर महेन्द्र सिंह परमार के कुशल मार्गदर्शन मे थाना बडनगर के थाना प्रभारी निरी. अशोक कुमार पाटीदार व टीम के द्वारा 5 लीटर हाथ भट्टी की जहरीली शराब पकडी गयी।

क्षेत्र मे अवैध शराब की सप्लाई की सूचना प्राप्त हुई, जिसमे मुखबिरो को लगाया गया था। विश्वसनीय मुखबिरो द्वारा सुचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति नटराज टाकिज के पास सफेद रंग की प्लास्टिक कैन में शराब लेकर खडा है और कहीं जाने से लिये साधन का इंतजार कर रहा है मुखबिर की सुचना पर आरोपी अनवर उर्फअन्नु पिता हुसैन जाति मुसलमान उम्र 40 साल निवासी मोहनपुरा बड़नगर के कब्जे से एक सफेद रंग की प्लास्टिक केन में करीबन 5 लीटर जहरीली हाथ भट्टी की महुआ शराब विधिवत् जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर आरोपी के विरुद्ध थाना बड़नगर पर अपराध क्रमांक 437/2024 धारा 49-ए आबकारी एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। उक्त कार्रवाई में थाना वडनगर पुलिस टीम निरीक्षक अशोक कुमार पाटीदार, उनि सतेन्द्र चौधरी प्रआर हेमराज खरे, आर संदीप बामनिया, मआर ज्योति हाड़ा, सै अमर सिंह, सै ओंकार लाल की भुमिका रही।

बासी कड़ी में उबाल : पद लोलुपता पत्रकारिता के पेशे को कर रही कलंकित

माही की गूंज, झाबुआ।

पत्रकारिता को देश का चौथा स्तंभ कहा गया है। पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य जनहितैषी मुद्दों को उठाना व प्रशासन व सरकार के सामने लाना होता है। वहीं अगर सरकार व प्रशासन अपने दायित्व का निर्वहन करने में कोई कमी या उदासिनता रखता है तो उन्हें भी समाचार प्रकाशनों के साथ आम जनता के सामने लाना होता है। इसीलिए पत्रकारिता को चौथा स्तंभ कहा गया है और पत्रकारिता के इस पेशे को निष्पक्ष व पवित्र माना जाता है। वहीं निष्पक्ष पत्रकारिता एक चुनौती पूर्ण कार्य है और उन चुनौतियों का सामना करने हेतु एक समूह रूपी कई संगठन भी है। उन सभी संगठनों का समूह का सम्मान भी प्रत्येक पत्रकार करता आया है और करता रहेगा। लेकिन इस पत्रकारिता के पेशे में अपनी स्वार्थ पूर्ति के लिए आए कुछ लोगों ने इसे राजनीतिकरण कर सेंध लगाने का कार्य किया। वही ऐसे राजनीतिकरण करने वाले व्यक्ति जिन्हें असल पत्रकारिता से दूर-दूर तक कोई लेना-देना नहीं होता है वह सिर्फ संगठन रूपी पदों के लालायित होते हैं। जिन्होंने पत्रकारिता के इस पवित्र पेशे को भी कलंकित करने का ही कार्य किया है। वही उनका उद्देश्य सिर्फलोगों को गुमराह करने का ही रहा है।

झाबुआ जिले की बात करे तो जिले में पत्रकारों का मुख्य संगठन जिला पत्रकार संघ रहा है। जिसकी स्थापना जिला पत्रकार संघ के पित्र पुरुष यशवंत जी घोड़ावत ने की थी और इसी जिला पत्रकार संघ के बैनर तले यशवंतजी घोड़ावत ने जनहितेषी मुद्दों के साथ प्रकाशित समाचारों के बाद जिस भी पत्रकार पर आपदा आइ तो मजबूती के साथ उस पत्रकार के पक्ष में जिला पत्रकार संघ खड़ा रहा और बड़ी से बड़ी परेशानियों का सामना किया। अध्यक्ष कोई भी रहा हो लेकिन यशवंतजी घोडावत के रहते इस जिला पत्रकार संघ संगठन में किसी ने सेंध लगाने की कोशिश की या फिर पत्रकारिता के पेशे को कलंकित करने का प्रयास किसी ने भी किया हो चाहे वह अपने ही परिवार का सदस्य क्यों न हो। संगठन एवं पत्रकारों के हित में घोडावतजी ने सदैव बैबाकी के साथ में अपना जवाब दिया।

मंगलवार को एक न्यूज़ पोर्टल पर प्रकाशित समाचार के बाद एक हास्यप्रद बात सामने आई। जिसमें बासी कड़ी ने उबाल मारा और एक पद ललोपीत ने जिला पत्रकार संघ के नाम का उपयोग करते हुए मठाधीश जिला कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में समाचार प्रकाशित करवाया।

इस संबंध में यशवंतजी घोड़ावत द्वारा बनाए गए जिले का मुख्य संगठन के जिलाअध्यक्ष राजेश सोनी ने बताया कि, करीब दो वर्ष पूर्व ही हमारे संगठन के वरिष्ठ हरिशंकर पवार को जिस व्यक्ति ने यह कह दिया था कि, मैं पिछले कई वर्षों से पत्रकारिता छोड़ चुका हूं और मुझे किसी पत्रकारों के संगठन से भी कोई लेना-देना नहीं है। यहां तक कि उस व्यक्ति ने यहां तक कह दिया था कि, मैने मेरी गाड़ी तक से पत्रकार या संगठन का नाम हटा दिया है। श्री सोनी ने बताया कि, उक्त व्यक्ति बिना धरातल का है और मंगलवार को मठाधिश ने जिला पत्रकार संघ का अध्यक्ष होने का दावा कर ऐसे व्यक्ति को जिला कार्यवाहक अध्यक्ष की घोषणा कर रहा है जो व्यक्ति पूर्व में जिला पत्रकार संघ का अध्यक्ष रहा है और संगठन ने नया अध्यक्ष बनाने के बाद पद की लोलुपता के साथ संगठन से नहीं पद से मतलब था। इसीलिए राजनीतिकरण कर अन्य संगठन का दामन थाम प्रदेश स्तरीय पद हासिल कर जिला पत्रकार संघ में सेंध एवं पत्रकारों में दूरियां पैदा करने का कार्य किया था। इतना ही नहीं जिस एक अन्य संगठन में प्रदेशस्तरीय पद हासिल किया था उस संगठन का झाबुआ जिले में इसी माह एक आयोजन भी हो रहा है। उक्त आयोजन की आमंत्रण पत्रिका में संगठन के सिपाही के कालम में प्रथम नाम होकर प्रदेश संयोजक के रूप में उल्लेखित है। ऐसे में जब किसी व्यक्ति को किसी संगठन ने जिलाध्यक्ष बनाया था और वह उस संगठन में नहीं होकर राजनीतिकरण के साथ जिला पत्रकार संघ को सेंध लगाने के मकसद के साथ अन्य संगठन में प्रदेश संयोजक के पद पर रहते हुए आयोजन की पत्रिका वितरण कर रहे हैं। उसी दौरान अगर यह बात सामने आए कि, वह प्रदेश सयोंजक मठाधीश जिला अध्यक्ष बना व्यक्ति जिसका पत्रकारिता से अब कोई तालुकात ही नहीं है और स्थानीय गांव में लोग उक्त मठाधीश को ÷गे÷ की उपाधि दे चुके है। ऐसे व्यक्ति से मिठाई खाकर जिला पत्रकार संघ का कार्यवाहक अध्यक्ष की घोषणा करवाकर अपने आप को किस स्थान पर ले जाकर खड़ा किया...? यह श्री सोनी का कहना है।

श्री सोनी ने बताया कि, तय है प्रदेश संयोजक के रूप में जिस संगठन ने दायित्व दिया है वहां भी कुछ स्वार्थ पूर्ति निर्धारण रहा होगा और वह पूरा नहीं हुआ तो मठाधीश जिलाध्यक्ष व सभापति बने बैठे हैं इनके हाथों मिठाई खाकर एवं अन्य संगठन का पद रूपी घोषणा करवाकर सिद्ध कर दिया कि जिले में अगर कोई पत्रकार इकाई संगठन है तो वह मुख्य रूप से जिला पत्रकार संघ ही है और ऐसे पद लोलुपता व मठाधीश व्यक्ति किसी एक संगठन के नहीं हो सकते हैं ऐसे व्यक्ति कभी किसी के भी नहीं हो सकते और ऐसे मठाधीश सिर्फ किसी संगठन को कमजोर करने या पत्रकारिता की बात करें तो उसे कलंकित करने का कार्य ही करते नजर आएंगे।

आरबीआई का यूएलआई लॉन्च, कर्ज लेना होगा आसान

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) जल्द ही यूनिफाइड लेंडिंग इंटरफेस (यूएलआई) लॉन्च करेगा, जिससे कर्ज लेना आसान हो जाएगा। आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने बताया कि, यह प्लेटफॉर्म विशेष रूप से छोटे और ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे वे जल्दी और कम समय में लोन प्राप्त कर सकेंगे।

यूएलआई, यूपीआई की तरह, लोन प्रोसेस को सरल और त्वरित बनाने के लिए तैयार किया गया है। यह विभिन्न डाटा स्रोतों से जानकारी जुटाकर लोन की मंजूरी के समय को घटाएगा। जिससे कम दस्तावेज़ की आवश्यकता होगी। इससे खासतौर पर किसानों और सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उपक्रमों को लाभ होगा। यूएलआई के लॉन्च से इंस्टेंट लोन ऐप्स पर भी नियंत्रण संभव हो सकेगा, जिससे कर्ज लेने वालों को बेहतर सुविधा मिल सकेगी।

सांसद पर ईडी ने लगाया 908 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने डीएमके सांसद एस जगतरक्षकण और उनके परिवार के सदस्यों पर विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के उल्लंघन के मामले में 908 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया है। यह निर्णय 26 अगस्त 2024 को न्यायिक आदेश के तहत लिया गया है।

ईडी के एक बयान के अनुसार, यह कार्रवाई सितंबर 2020 में जब्त की गई 89.19 करोड़ रुपये की संपत्ति से संबंधित है। ईडी ने फेमा की धारा 37 ए के तहत सांसद और उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर मौजूद विभिन्न चल और अचल संपत्तियों पर जब्ती आदेश पारित किया था। इसके बाद, 26 अगस्त को एक स्थगन आदेश जारी किया गया, जिसके तहत उक्त संपत्ति को जब्त किया गया और 908 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया।

76 वर्षीय जगतरक्षकण अरक्कोणम लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं। ईडी ने तमिलनाडु के व्यवसायी और उनके परिवार के सदस्यों के खिलाफइस मामले में फेमा जांच शुरू की थी। इस जांच में सांसद और उनके परिवार के सदस्यों की संपत्तियों पर कार्रवाई की गई है, जिससे यह मामला और भी महत्वपूर्ण बन गया है।

इस जुर्माने के साथ ही, ईडी ने फेमा उल्लंघनों को लेकर गंभीरता से कार्रवाई करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया है। यह मामला भारतीय राजनीति और कानूनी प्रणाली में एक महत्वपूर्ण मोड़ दर्शाता है, जिसमें विदेशी मुद्रा नियमों के उल्लंघन के खिलाफसख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री सरमा का ममता बनर्जी पर हमला

गुवाहटी।

बुधवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान पर तीखा प्रतिरोध जताया। सरमा ने ममता बनर्जी के हालिया बयान को लेकर कड़ी आपत्ति जताई, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बंगाल में महिलाओं की हत्या की घटना का इस्तेमाल कर राज्य में दंगे भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। ममता ने यह भी कहा कि अगर बंगाल जलाया गया तो असम, पूर्वोत्तर, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिशा और दिल्ली जैसे अन्य राज्य भी प्रभावित होंगे।

सरमा ने एक्स पर एक पोस्ट में प्रतिक्रिया देते हुए कहा, दीदी, असम को धमकाने की आपकी हिम्मत कैसे हुई? हमें लाल आंखें मत दिखाइए। अपनी असफलता की राजनीति से भारत को जलाने की कोशिश मत कीजिए। आपको विभाजनकारी भाषा बोलना शोभा नहीं देता।

असम के जल संसाधन मंत्री पीयूष हजारिका ने भी ममता के बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, वह हमें धमका नहीं सकती। वह अपने राज्य में कानून व्यवस्था को नियंत्रित नहीं कर सकती और हमें धमकी दे रही हैं। असम में ऐसा कुछ नहीं होगा जब तक यहां भाजपा सरकार है और हिमंत बिस्वा सरमा सीएम हैं।

कोलकाता में हाल ही में महिला डॉक्टर की हत्या को लेकर विरोध प्रदर्शन हिंसक हो गए हैं। प्रदर्शनकारियों ने राज्य सचिवालय 'नबन्ना' तक पहुंचने का प्रयास किया, जिसके दौरान कई स्थानों पर पुलिस के साथ झड़पें हुईं। कोलकाता और हावड़ा की सड़कों पर बड़े पैमाने पर हिंसा की घटनाएं सामने आई हैं, और राज्यभर में 200 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया गया है। ममता बनर्जी और हिमंत बिस्व सरमा के बीच यह विवाद राजनीतिक गलियारों में गर्माहट ला रहा है और इस पर नजर बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा कि यह तकरार किस दिशा में जाती है।

महिला कांग्रेस का प्रदर्शन, पुलिस ने रोक लगाई, प्रदेश अध्यक्ष बेहोश

भोपाल।

मध्य प्रदेश में कांग्रेस की महिला मोर्चा ने बुधवार को राजधानी भोपाल में नारी न्याय आंदोलन का दूसरा चरण शुरू किया। महिला कांग्रेस की सदस्यों ने रोशनपुरा चौराहे पर धरना-प्रदर्शन किया। इसमें पीसीसी चीफजीतू पटवारी, पूर्व मंत्री पीसी शर्मा और महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष विभा पटेल शामिल थीं।

प्रदर्शन के बाद कार्यकर्ता राजभवन की ओर बढ़ने लगे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक लिया। इसके बाद महिला नेताओं ने नारेबाजी शुरू कर दी। गर्मी के कारण विभा पटेल को चक्कर आ गया और वे नीचे बैठ गईं। विभा पटेल ने आरोप लगाया कि, मध्य प्रदेश में महिला अत्याचार की

घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं, जहां हर दिन 17 रेप की घटनाएं होती हैं। उन्होंने कानूनों को सख्ती से लागू करने की आवश्यकता और अपराधियों में खौफपैदा करने की मांग की। पूर्व मंत्री पीसी शर्मा ने महिलाओं को विधानसभा में 33 प्रतिशत आरक्षण देने की मांग की। सज्जन सिंह वर्मा ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की घोषणा को पूरा करने की बात की और कहा कि महिलाओं को लोकसभा में भी 33 प्रतिशत आरक्षण मिलना चाहिए। कांग्रेस ने अगस्त क्रांति आंदोलन की तर्ज पर अगस्त महीने में लगातार आंदोलनों और प्रदर्शनों की योजना बनाई है। जिसमें नारी न्याय आंदोलन का पहला चरण 29 जुलाई को दिल्ली में शुरू किया गया था।

विधानसभा चुनाव: बिजबेहरा सीट पर मुफ्ती परिवार की तीसरी पीढ़ी का चुनावी आगाज़

श्रीनगर, एजेंसी।

जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव के पहले चरण की नामांकन प्रक्रिया समाप्त हो गई है, जिसमें पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) की प्रमुख महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा मुफ्ती ने दक्षिण कश्मीर की बिजबेहरा सीट से नामांकन दाखिल किया। यह सीट मुफ्ती परिवार के लिए ऐतिहासिक महत्व की रही है, जहां परिवार की तीन पीढ़ियों ने चुनावी राजनीति में कदम रखा है।

मुफ्ती मोहम्मद सईद, पीडीपी के संस्थापक, ने 1962 में इसी सीट से राजनीति में प्रवेश किया और 1967 में भी इसी सीट से जीत दर्ज की। महबूबा मुफ्ती ने भी 1996 में अपनी पहली विधानसभा चुनावी शुरुआत इसी सीट से की थी। बिजबेहरा सीट पर मुफ्ती परिवार का प्रभावी दबदबा रहा है और यह सीट उनके लिए चुनावी सफलता की गारंटी मानी जाती है।

सईद ने 1999 में पीडीपी की स्थापना की और तब से इस सीट पर पार्टी का कब्जा रहा है। पिछली बार, 2014 में, पीडीपी उम्मीदवार मोहम्मद अब्दुल रहमान वारी ने जीत तो दर्ज की, लेकिन जीत का अंतर बहुत कम था। जम्मू कश्मीर विधानसभा चुनाव तीन चरणों में होंगे। पहले चरण का मतदान 18 सितंबर को होगा, जिसमें बिजबेहरा सीट भी शामिल है। दूसरे चरण के चुनाव 26 सितंबर को और तीसरे चरण के चुनाव 1 अक्टूबर को होंगे। चुनाव के परिणाम 4 अक्टूबर को घोषित किए जाएंगे। यह चुनाव जम्मू कश्मीर के विशेष दर्जे के समाप्त होने के बाद पहला विधानसभा चुनाव है।

दृश्यम फिल्म जैसा मामला: पुलिस ने शव की तलाश में खोद दिया खेत

मैहर।

मैहर जिले से चौंकाने वाली खबर सामले आई है। यहां पुलिस को फिल्म दृश्यम जैसे सीन का सामना करना पड़ा। दरअसल, पुलिस को कुछ लोगों ने सूचना दी कि, किसी ने जमीन में शव गाड़ा है एवं शव के आसपास तंत्र विद्या की गई है। वहां फूल, अगरबत्ती के साथ कई तरह का सामान पड़ा है। ये सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जमीन खुदवाई। लेकिन यहां उसे वो नहीं मिला जो समझा गया। मामले में पुलिस का कहना है कि जमीन में शव की सूचना को अनदेखा नहीं किया जा सकता। जमीन खोदकर शव निकालने के लिए लंबी प्रक्रिया करनी पड़ती है। हैरान करने वाला यह मामला अमरपाटन थाने के मोहारिया लालान गांव का है। कुछ लोगों ने थाने को सूचना दी कि वे एक खेत से गुजर रहे थे. उन्होंने वहां किसी शख्स को खेत में शव गाड़ते देखा। वहां उस शख्स ने काला जादू भी किया है क्योंकि, वहां तंत्र-मंत्र का सामान दिखा है। ये सूचना मिलते ही पुलिस वहां पहुंची और खेत को खुदवाया। पुलिस ने बताया कि, शव को खोदकर निकालने के लिए लंबी प्रक्रिया और कई तरह की अनुमतियां लेनी पड़ती हैं। सबसे पहले हमने सब-डिविजनल मजिस्ट्रेट से अनुमति ली।

पुलिस के हाथ लगी ये चीज

उसके बाद तहसीलदार को अपने साथ लिया। इसके साथ-साथ स्थानीय प्रशासन के कुछ अधिकारियों और स्वास्थ्य विभाग की टीम को भी अपने साथ लिया। मौके पर खुदाई शुरू की जब पूरी खुदाई हो गई तो वहां से हमें कुत्ते का शव मिला। यह कुत्ता जर्मन शेफर्ड था।

एप्पल कंपनी का भारत पर फोकस, मार्च तक 2 लाख नौकरियां देगी

नई दिल्ली

भारत में एप्पल प्रोडक्ट्स के उत्पादन से रोजगार के नए रास्ते खुलने की संभावना है। एप्पल कंपनी अगले साल मार्च तक भारत में 2 लाख डायरेक्ट जॉब्स (सीधी नौकरियां) देने की योजना बना रही है, जिसमें से 70त्न नौकरियां महिलाओं के लिए होंगी। यह जानकारी एप्पल और भारत में इसके सप्लायर्स ने केंद्र सरकार को दी है। एप्पल अब चीन पर निर्भरता कम कर भारत पर फोकस करना चाहती है। एप्पल के कॉन्ट्रैक्ट मैन्युफैक्चरर्स फॉक्सकॉन, विस्ट्रॉन (अब टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स) और पेगाट्रॉन ने भारत में पहले ही 80,872 सीधी नौकरियां दी हैं। इसके अतिरिक्त, टाटा ग्रुप, सैलकॉम्प, मदरसन, फॉक्सलिंक (तमिलनाडु), सनवोडा (उत्तर प्रदेश), एटीएल (हरियाणा) और जेबिल (महाराष्ट्र) जैसे सप्लायर्स ने मिलकर करीब 84,000 नई नौकरियां पैदा की हैं।

2020 से अब तक 1.65 लाख नई नौकरियां

2020 में स्मार्टफोन पीएलआई (उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन योजना) लागू होने के बाद से एपल के वेंडर्स और सप्लायर्स ने भारत में 1.65 लाख सीधी नौकरियां प्रदान की हैं। केंद्र सरकार का अनुमान है कि इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री में हर डायरेक्ट जॉब से तीन अतिरिक्त परोक्ष रोजगार उत्पन्न होते हैं। इसका मतलब है कि एपल के इकोसिस्टम से मार्च के अंत तक 5 से 6 लाख रोजगार उत्पन्न हो सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- संजय भटेवरा । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई टाइटल कोड नंबर- एमपीएचआईएन-76422